नई दिल्ली
शुक्रवार
29 मार्च, 2024
वर्षः 10, अंकः 206
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0
E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

DELHIN/2014/58158

विधायक बनने के एक साल बाद ही एमपी का....पेज-05

स्व दुर्गा सोरेन के मौत संदेहास्पद,हो...पेज-08

हिन्दी में प्रकाशित होने वाला सबसे लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र
'सद्भावना टुडे'
में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें :-
011-43678240
E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

केजरीवाल को राहत नहीं, ईडी की हिरासत एक अप्रैल तक बढ़ी

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली शराब नीति में कथित घोटाले से संबंधित धनशोधन के एक मामले में फंसे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत गुरुवार को चार दिन बढ़ाते हुए एक अप्रैल कर दी गई। राऊज एवेन्यू स्थित कावेरी बावेजा की विशेष अदालत ने ईडी के अनुरोध और श्री केजरीवाल का पक्ष सुनने के बाद हिरासत बढ़ाने का आदेश पारित किया। ईडी पक्ष रख रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने श्री केजरीवाल पर हिरासत के दौरान पूछताछ में सहयोग नहीं करने का आरोप लगाते हुए अदालत के समक्ष सात दिनों की अतिरिक्त हिरासत की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि कुछ अन्य लोगों के सामने श्री केजरीवाल से पूछताछ की जानी है। अपना पक्ष खुद रखते हुए श्री केजरीवाल ने इसका विरोध नहीं किया और कहा कि ईडी उन्हें जितने समय तक अपनी हिरासत में रखना चाहे, वह रहने को तैयार हैं। ईडी के आदेश पर छह दिनों की हिरासत अवधि पूरी होने पर केंद्रीय जांच एजेंसी ने गुरुवार को फिर उन्हें विशेष अदालत में पेश किया।

मुख्यमंत्री ने विशेष अदालत के समक्ष खुद अपना पक्ष रखते हुए कहा कि ईडी के पास उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है और उसका मकसद किसी भी तरह से उन्हें फंसाना है। श्री केजरीवाल ने अदालत में पेश किए जाने से पहले मीडिया के सवालों पर संक्षिप्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा, %यह एक राजनीतिक साजिश है। जनता इसका जवाब देगी। कड़ी सुरक्षा के बीच आम आदमी पार्टी (आप) के नेता श्री केजरीवाल को विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां 22 मार्च को उन्हें छह दिनों के लिए ईडी की हिरासत में पूछताछ के लिए भेजने का आदेश पारित गया था। अदालत में श्री केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल भी मौजूद थी। अदालती कार्रवाई शुरू होते ही श्री केजरीवाल के वकील रमेश गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री खुद अपना पक्ष रखना चाहते हैं। अदालत ने इसकी अनुमति दी। ईडी ने पूछताछ के लिए श्री केजरीवाल को कई बार बुलाया था, लेकिन वह केंद्रीय जांच एजेंसी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। इसके बाद उन्हें 21 मार्च को गिरफ्तार करके अगले दिन 22 मार्च को उन्हें विशेष अदालत में पेश किया गया। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी के अलावा ईडी की हिरासत को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर बुधवार को कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था। हालांकि, ईडी को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया था। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की एक पीठ ने श्री केजरीवाल का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू की दलीलें सुनने के बाद केंद्रीय जांच एजेंसी को नोटिस जारी करके दो अप्रैल तक अपना जबाव दाखिल करने का निर्देश दिया था।

उच्च न्यायालय ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए तीन अप्रैल की तारीख मुकर्रर की है। विशेष अदालत के समक्ष 22 मार्च को ईडी ने मुख्यमंत्री को कथित शराब नीति 2021-2022 घोटाले (जो बाद में रद्द कर दी गई थी) का मुख्य %साजिशकर्ता और सरगना% होने का आरोप लगाया था। तब श्री केजरीवाल के अधिवक्ताओं ने ईडी के इन आरोपों को खारिज करते हुए कड़ी आपत्ति जताई थी। मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी से पहले भारत राष्ट्र समिति की नेता एवं तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता को ईडी ने 15 मार्च को गिरफ्तार किया था, जो न्यायिक हिरासत में दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद हैं। इन दोनों प्रमुख नेताओं से पहले ईडी ने पिछले एक साल के दौरान 'आप' के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के अलावा राज्यसभा सांसद संजय सिंह को इसी मामले में गिरफ्तार किया था। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 17 अगस्त 2022 को वर्ष 2021-22 की उत्पाद शुल्क नीति (शराब नीति) बनाने और उसके कार्यान्वयन में की गई कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज किया था। इसी आधार पर ईडी ने 22 अगस्त 2022 को मामला दर्ज किया था। ईडी का दावा है कि 'आप' के शीर्ष नेताओं श्री केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसौदिया और अन्य ने अवैध कमाई के लिए साजिश रची थी।

मुख्तार अंसारी की हृदयाघात से मौत

बांदा,एजेंसी। बांदा जेल में निरुद्ध माफिया सरगना मुख्तार अंसारी की गुरुवार रात दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गयी। रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज के सूत्रों ने बताया कि अंसारी को आज रात करीब साढे आठ बजे नाजुक हालत में अस्पताल लाया गया था। उपचार के दौरान उसकी सेहत बिगडती चली गयी और हृदयाघात के कारण उसकी मौत हो गयी।

माफिया की मौत के बाद एहतियात के तौर पर बांदा,गाजीपुर और मऊ में सुरक्षा व्यवस्था बढा दी गयी है और तीनो ही जिलों में धारा 144 लागू कर दी गयी है। मुख्तार पिछले करीब ढाई साल से बांदा जेल में निरुद्ध था। उसके खिलाफ 64 से अधिक मुकदमे दर्ज है जिसमें से कुछ समय पहले एक में उसे उम्रकैद की सजा सुनायी गयी थी। मेडिकल कालेज अस्पताल ने एक मेडिकल बुलेटिन जारी कर मुख्तार की मौत की पुष्टि की है। जिसके अनुसार 63 वर्षीय मुख्तार को रात आठ बजकर 25 मिनट पर उल्टी की शिकायत पर बेहोशी की हालत में लाया गया था। आठ डाक्टरों की टीम ने उसका इलाज शुरु किया मगर भरसक प्रयास के बावजूद हृदयाघात के कारण मरीज की मौत हो गयी। इससे पहले मंगलवार को पेट संबंधी समस्या के कारण मुख्तार को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां आराम मिलने के बाद उसे जेल में शिफ्ट कर दिया गया था। गौरतलब है कि 33 साल से अधिक पुराने फर्जी शस्त्र लाइसेंस मामले में मुख्तार को वाराणसी की विशेष अदालत ने 2.02 लाख रुपये जुर्माने के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। जून 1987 में मुख्तार ने तत्कालीन जिला मजिस्ट्रेट, ग़ाज़ीपुर के कार्यालय में डबल बैरल बंदूक के लाइसेंस के लिए एक आवेदन प्रस्तुत किया। आरोप था कि स्टाफ की मिलीभगत से मुख्तार ने डीएम और तत्कालीन पुलिस अधीक्षक (एसपी) के फर्जी हस्ताक्षर से लाइसेंस हासिल कर लिया। फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद दिसंबर 1990 में मुख्तार समेत पांच नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। जांच के बाद 1997 में मुख्तार और आयुध लिपिक गौरी शंकर श्रीवास्तव के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया। इस दौरान गौरी शंकर की मौत हो गई। जेल सूत्रों के अनुसार गुरुवार शाम जैसे ही मुख्तार की हालत खराब हुई। तत्काल जिला प्रशासन को सूचित किया गया।

एक नजर

झारखंड में भाजपा ने गिरिडीह सीट आजसू के लिए छोड़ी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने झारखंड में 14 लोकसभा सीटों में से गिरिडीह की सीट अपने सहयोगी दल आल झारखंड स्टूडेन्ट्स यूनियन (आजसू) के लिए छोड़ने का ऐलान किया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने एक्स पर अपनी पोस्ट में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने झारखंड की जनता के हित में भाजपा एवं आजसू के पुराने एवं नैसर्गिक गठबंधन के तहत इस बार लोकसभा के चुनाव में झारखंड के 13 लोकसभा संसदीय क्षेत्र पर भाजपा के प्रत्याशी तथा एक संसदीय क्षेत्र गिरिडीह में आजसू पार्टी को लड़वाने का निर्णय किया है। श्री सिंह ने कहा कि यह गठबंधन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत, स्वावलंबी भारत, समर्थ भारत के संकल्प को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि झारखंड के सभी 14 में से 14 संसदीय क्षेत्रों पर गठबंधन के उम्मीदवार चुनाव जीतकर 4 जून को 400 के पार लक्ष्य को हासिल करेंगे।

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण की अधिसूचना जारी, 88 सीटों पर होगा चुनाव

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण की अधिसूचना गुरूवार को जारी कर दी। इस चरण में 12 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों की 88 लोकसभा सीटों के लिए चुनाव होगा। बाहरी मणिपुर संसदीय सीट के 13 विधानसभा क्षेत्रों के लिए भी इसी चरण में मतदान होगा। निर्वाचन आयोग के अनुसार बाहरी मणिपुर संसदीय सीट के 15 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव के लिए अधिसूचना पहले चरण के साथ की गयी थी। दूसरे चरण में मणिपुर की इस सीट के अलावा असम , बिहार, छत्तीसगढ़, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की 88 सीटों के लिए चुनाव कराया जायेगा। उम्मीदवार चार अप्रैल तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे और जम्मू कश्मीर को छोड़कर अन्य राज्यों में नामांकन पत्रों की जांच पांच अप्रैल को की जायेगी। जम्मू कश्मीर में नामांकन पत्रों की जांच 6 अप्रैल को की जायेगी। उम्मीदवार आठ अप्रैल तक नाम वापस ले सकेंगे। दूसरे चरण का मतदान 26 अप्रैल को होगा।

युवाओं का सशक्तिकरण करके राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित मोदी सरकारः अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री, श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने युवाओं के सशक्तिकरण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की बात की है। इसके अलावा श्री अनुराग ठाकुर ने अपने संसदीय क्षेत्र हमीरपुर में स्वयं द्वारा चलाए जा रहे युवा केंद्रित कार्यक्रमों की भी जानकारी दी। श्री ठाकुर ने युवा का मतलब समझाते हुए कहा कि, मोदी सरकार युवाओं का सशक्तिकरण करने के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित रही है। युवा का मतलब है देश की शक्ति, आत्मनिर्भरता और विश्वास। आज का युवा भारत की वह पीढ़ी है जो प्रधानमंत्री मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि तक ले जाएगा। देश के युवा भारत की नीति भी है, नेतृत्व भी है और नियति भी है। श्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि, अगर आप प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को देखेंगे तो आपको पता लगेगा कि युवा का मतलब क्या है। मोदी जी ने उम्र के बंधन को तोड़ दिया है। चाहे 12,000 फीट की ऊंचाई पर केदारनाथ में साधना करना हो, तेजस फाइटर जेट को हवा में उड़ाना हो, डीप सी डाइविंग करनी हो, बिना भोजन के अनुष्ठान करना हो या प्रत्येक नवरात्रि में बिना अन्न ग्रहण किए विदेश से लेकर देश

के सभी कार्यों को सुचारू रूप से करना हो, मोदी जी ने इन सभी कार्यों का इतनी सरलतापूर्वक निर्वहन किया है जिससे पता चलता है कि युवा होना मोदी जी के सोच और कार्यों में समाहित है।

श्री अनुराग ठाकुर ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की प्रेरणा से उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र हमीरपुर में भी बिना किसी सरकारी सहायता के युवाओं के लिए कई कार्यक्रम लागू किया है जिनका सुखद परिणाम आज जमीनी स्तर पर देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मेरे हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में सांसद खेल महाकुंभ, सांसद भारत दर्शन, एक से श्रेष्ठ कार्यक्रम ने युवाओं के हौसलों को नई उड़ान दी है। श्री अनुराग ठाकुर

रक्षा उत्पादन विभाग के गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय का पुनर्गठन

नई दिल्ली। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने और 'व्यापार में सुगमता' की दिशा में एक बड़ा सुधारवादी कदम उठाते हुए रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग ने गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय का पुनर्गठन किया है जिसका उद्देश्य गुणवत्ता आश्वासन प्रक्रियाओं और परीक्षण के कार्य तथा निर्णय लेने की प्रक्रिया में तेजी लाना है। यह पुनर्गठन आयुध निर्माणियों के निगमीकरण के बाद गुणवत्ता आश्वासन पद्धति और महानिदेशालय की बदली हुई भूमिका के अनुरूप है। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि आयुध निर्माणियों के निगमीकरण, निजी रक्षा उद्योग की बढ़ती भागीदारी और स्वदेशीकरण की दिशा में सरकार द्वारा प्रोत्साहन के साथ, उभरते रक्षा विनिर्माण उद्योग को समर्थन के लिए महानिदेशालय को फिर से संगठित करने की आवश्यकता महसूस की गई।

सीएए पर सीख देने वालों को खारिज करने की आवश्यकता : जगदीप धनखड़

नई दिल्ली,एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नागरिकता संशोधन अधिनियम पर सीख देने वालों को खारिज करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा है कि इन्हें जमीनी हकीकत की जानकारी नहीं है।

श्री धनखड़ ने गुरुवार को यहां अमेरिकन बार एसोसिएशन स्प्रिंग कॉन्फ्रेंस के दूसरे संस्करण को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने अपने लंबे इतिहास में कई धार्मिक समुदायों को शरण दी है। उन्होंने कहा कि सीएए के बारे में अज्ञानतापूर्ण टिप्पणियाँ करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अन्य संस्थाओं का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन टिप्पणियों को पुरजोर तरीके से खारिज किए जाने की आवश्यकता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सीएए हमारे पड़ोस में धार्मिक आधार पर सताए गए लोगों को राहत देने के लिए है। इससे किसी को भी नागरिकता से वंचित नहीं किया जा रहा है। सीएए के अंतर्गत नागरिकता के लिए 2014 की कट ऑफ डेट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसका लाभ लेने के लिए लोगों को आमंत्रित नहीं किया जा रहा हैं। इसका लाभ उन्हें दिया जा रहा है जो पहले से ही इस देश में हैं। ये लोग एक दशक से अधिक समय से इस देश में हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि जमीनी हकीकत से अनभिज्ञ रहकर सीख देने वालों को फटकार लगानी चाहिए। उन्होंने भारत के संस्थानों के बारे में कुछ लोगों की टिप्पणियों पर आपत्ति जताई। श्री धनखड़ ने कहा, हम दूसरों से ज्ञान प्राप्त करने वाले देश नहीं हैं। धनखड़ ने कहा कि कुछ देश ऐसे हैं, जो कई मंचों से हमें सिखाना चाहते हैं कि लोकतंत्र क्या है? उन्होंने युवाओं से सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफार्मों पर ऐसी चीजों के खिलाफ बोलने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री को लोकतंत्र से छेड़छाड़ करने, संविधान को नुकसान पहुंचाने की कला में महारत हासिल हैः खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री द्वारा की गई टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को लोकतंत्र से छेड़छाड़ करने और संविधान को नुकसान पहुंचाने की कला में महारत हासिल है। श्री खड़गे ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, मोदी जी, एक के बाद एक संस्थाओं को धमका रहे हैं, इसलिए वह अपने पापों के लिए कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाना बंद करें। उन्होंने आगे कहा, मोदी न्यायपालिका की बात कर रहे हैं। वह आसानी से भूल जाते हैं कि सर्वोच्च न्यायालय के चार वरिष्ठतम न्यायाधीशों को एक अभूतपूर्व संवाददाता सम्मेलन आयोजित करके लोकतंत्र के विनाश के खिलाफ चेतावनी देने के लिए

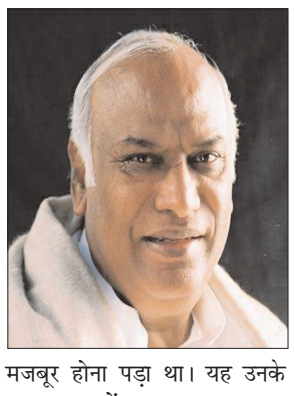

मजबूर होना पड़ा था। यह उनके शासनकाल में हुआ।

श्री खड़गे ने अपने पोस्ट में इस बात का भी उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री उनमें से एक न्यायाधीश को राज्यसभा के लिए नामित किया और पश्चिम बंगाल में उच्च न्यायालय के एक पूर्व न्यायाधीश को आगामी लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाया है। अपने पोस्ट में, कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री से सवाल किया कि राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) कौन लाया? इसे माननीय उच्चतम न्यायालय ने क्यों अटका दिया? उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा था कि, दूसरों को धमकाना और डराना कांग्रेस संस्कृति पुरानी है। श्री मोदी की टिप्पणी लगभग 600 प्रमुख वकीलों द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को लिखे गए पत्र के बाद सामने आई है, जिसमें निहित स्वार्थी समूहों पर चिंता व्यक्त की गई है कि वे न्यायपालिका की अखंडता को कमजोर करने के लिए दबाव डालने की कोशिश कर रहे हैं।

वोट की ताकत ने ही आस्था को दिलाया सम्मानः योगी

संजय सिंह, वरिष्ठ पत्रकार

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि वोट की ताकत ने ही अयोध्या में 500 सालों के लंबे इंतजार को खत्म कर आस्था को सम्मान दिलाया है। जानसठ रोड स्थित लाला जगदीश प्रसाद स्कूल में आज प्रबुद्ध सम्मेलन में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी संजीव बालियान का समर्थन करते हुये श्री योगी ने कहा कि जब वोट वोट गलत हाथों में जाता था तो मुजफ्फरनगर आने से लोग डरते थे और अब जब सही हाथों में वोट गया तो अराजकता समाप्त हो गई। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों में भारत लगातार सही दिशा में आगे बढ रहा है और अगले तीन वर्षो में भारत विश्व की तीसरी महाशक्ति बनकर उभरेगा। उन्होंने लोगों से मतदान की अपील करते हुये कहा कि 19 अप्रैल को गर्मी, बरसात या तूफान कुछ भी हो मगर मतदान करने के लिए जरुर घरों से बाहर निकले।

योगी ने अपने संबोधन की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री और किसानो के मसीहा चौधरी चरण सिंह को याद करने के साथ की। उन्होने कहा कि वे पिछले करीब 15 वर्षो से इस गीत को सुनते आ रहे थे ''होली खेले रघुवीरा अवध में, होली खेले रघुवीरा'' मगर अयोध्या राम के बिना अधूरी थी और आज वहां पर रामलाल की मूर्ति भी विराजमान है और अयोध्या में धूमधाम के साथ श्रद्धालुओं द्वारा होली खेली गयी जो आप सभी के सामने है। उक्त गाने के बोल आज साक्षात देखने को मिल रहे है क्योंकि आज स्वंय आज श्रीराम अयोध्या में विराजमान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भागवत की भूमि को दुनिया शुकतीर्थ के रूप में जानती है। शुकतीर्थ को पुराना वैभव लौटाने का काम भाजपा सरकार ने किया। जनभावना के अनुरूप काम किया। दुनिया में किसी के पास पांच हजार साल पुराना इतिहास नहीं, लेकिन मुजफ्फरनगर के पास है। चौधरी साहब को सम्मान पहले मिलना चाहिए था। पूर्व सरकारों ने उन्हें यह सम्मान नहीं दिया। देश के विकास का रास्ता गांव और खलिहान से होकर जाता है, यह बात चौधरी साहब ने ही कही थी। योगी ने कहा समाज के प्रबुद्ध वर्ग से मिलने आए हैं। आपका वोट सही हाथ में गया तो जनपद कांवड यात्रा के लिए पहचाना जाता है और जब वोट वोट गलत हाथों में जाता था तो मुजफ्फरनगर आने से लोग डरते थे। ही हाथों में वोट गया तो अराजकता समाप्त हो गई। पांच सौ वर्षो के बाद वोट की ताकत ने ही आस्था को सम्मान दिलाया है। उन्होने कहा कि यूपी में अब तक 18 लाख पीएम स्वनिधि योजना में ऋण की स्वीकृति हुई है। वोट की कीमत आप लोगों के समाज को बतानी होगी। एक तरफ फैमिली फर्स्ट और दूसरी तरफ नेशन पहले है।

डीयू के पास पूंजी की कोई कमी नहीं: कुलपति

मो. हबीबुल्लाह उर्फ मुन्ना, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। डीयू में अब तक कुल 4556 शैक्षणिक पदों पर नियुक्तियां की जा चुकी हैं। लोकसभा चुनावों के कारण अभी प्रक्रिया को रोका गया है। आदर्श चुनाव आचार संहिता के हटने के बाद बाकी रिक्त पदों पर नियुक्तियों की प्रक्रिया फिर से शुरू की जाएगी। उक्त बातें डीयू के कुलपति प्रो.योगेश सिंह ने गुरुवार को दिल्ली विश्वविद्यालय कोर्ट की 91वीं वार्षिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहीं। विश्वविद्यालय के वाइस रीगल लॉज स्थित कंवेंशन हॉल में आयोजित इस बैठक में कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने विश्वविद्यालय की साल भर की गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने डीयू कोर्ट की बैठक के दौरान अनुदान का विवरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के पास पूंजी की कोई कमी नहीं है। नए कार्यों के लिए पर्याप्त पूंजी है। जीआईए के तहत 778.39 करोड़ रुपये 2023-24 के लिए आवंटित किए गए हैं। इसके साथ ही मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए ईडब्ल्यूएस के अंतर्गत 32.83 करोड़ रुपये भी आवंटित किए गए हैं।

वित्त मंत्रालय ने सात परियोजनाओं के लिए एचईएफए (हेफा) से 938.33 करोड़ रुपये की फंडिंग को भी मंजूरी दे दी है। इसके तहत अभी विश्वविद्यालय ने 261.33 करोड़ रुपये की दो परियोजनाओं की मंजूरी के लिए एचईएफए को आवेदन किया है। कुलपति ने बताया कि विद्यार्थियों की फीस से अब तक 231.55 करोड़ रुपये एकत्र हुए हैं। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने दिल्ली विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली लड़कियों और कामकाजी महिलाओं के लिए 1000 बिस्तर की आवासीय सुविधाओं के निर्माण के लिए निर्भया फंड के तहत 272 करोड़ रुपये की स्वीकृति दे दी है। कुलपति ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 के दौरान डीयू में कुल 69, 622 विद्यार्थियों ने यूजी और 11, 174 विद्यार्थियों ने पीजी में दाखिला लिया। पीएचडी में प्रवेश के लिए पहले और दूसरे चरण में कुल 19899 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया था जिनमें से प्रवेश के पहले और दूसरे चरण में कुल 1655 विद्यार्थियों का प्रवेश हो चुका है। कुलपति ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय ने इस एक वर्ष में अपनी रैंकिंग में भी काफी सुधार किया है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग (सस्टेनेबिलिटी 2024) में दिल्ली विश्वविद्यालय को 73.4 के समग्र स्कोर के साथ भारत में पहला और वैश्विक स्तर पर 220वां स्थान दिया गया है। प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि आगामी वर्ष में दिल्ली विश्वविद्यालय राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर अपनी रैंकिंग में और सुधार करने का प्रयास करेगा।

आईआईएमएम ने मनाई रजत जयंती, मास मीडिया के क्षेत्र में रचनात्मकता और नवीनता को बढ़ावा देने पर ज़ोर

सैफुल्लाह सिद्दीकी, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मास मीडिया (आईआईएमएम), दिल्ली ने अपने वार्षिक कार्यक्रम पनाश के विशेष संस्करण का आयोजन किया। यह आयोजन दिल्ली के लाजपत भवन ऑडिटोरियम में किया गया। पनाश का उद्देश्य संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता के 25 वर्षों का जश्न मनाना था। यह रचनात्मकता और अभिव्यक्ति का एक उत्साहजनक प्रदर्शन था, जिसमें विभिन्न कलात्मक पृष्ठभूमि के प्रतिभाशाली छात्रों द्वारा प्रदर्शन और प्रस्तुतियों की एक श्रृंखला शामिल थी। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, सर्वोच्च न्यायालय के प्रख्यात वकील और सिंघानिया विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन श्री रवि सिंघानिया थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा,सिंघानिया विश्वविद्यालय और आईआईएमएम का अब तक एक सफल सहयोग रहा है और हमें खुशी है कि वे कई सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों के साथ-साथ छात्रों को सर्वोत्तम जन मीडिया प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं।

आईआईएमएम के अध्यक्ष श्री प्रकाश के. भगत ने इस अवसर पर कहा कि यह कार्यक्रम मास मीडिया के क्षेत्र में रचनात्मकता और नवीनता को बढ़ावा देने की संस्थान की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस कार्यक्रम में

शास्त्रीय और आधुनिक नृत्य रूपों, संगीत और एक समकालीन नाटक का प्रदर्शन भी किया गया, जो मीडिया और फर्जी खबरों पर एक व्यंग्य था। इस अवसर पर उन पूर्व छात्रों को सम्मानित भी किया गया, जिन्होंने मीडिया उद्योग में उपलब्धि हासिल की है। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मास मीडिया (आईआईएमएम) जनसंचार के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए समर्पित एक प्रमुख संस्थान है। अत्याधुनिक सुविधाओं और अनुभवी संकाय के साथ आईआईएमएम का लक्ष्य मीडिया पेशेवरों और विचारकों की अगली पीढ़ी का पोषण करना है।

ई-कचरा जलाने पर एनडीएमसी ने कार्रवाई की चेतावनी दी

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद ने ई-कचरा जलाने वालों को सख्त चेतावनी दी है। परिषद की ओर से जारी सूचना में कहा गया कि ई-कचरे का निस्तारण नियमानुसार ही किया जाना चाहिए। इसका उल्लंघन करने वालों की शिकायत एनडीएमसी के मोबाइल ऐप और टोल फ्री नंबर पर की जा सकती है। इलेक्ट्रानिक उपकरण व उससे जुड़ी हुई चीजों में तमाम धातुएं होती हैं, जिनका दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके निस्तारण के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति और केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा कुछ संस्थानों को नियुक्त किया गया है। इन संस्थाओं द्वारा ई-कचरे को नियमानुसार निस्तारित किया जाता है। इसके बावजूद इस तरह की घटनाएं सामने आती रही हैं, जिसमें ई-कचरे को खुद ही जलाकर उसमें से धातु या अन्य उपयोगी वस्तुओं को निकालने का प्रयास किया जाता है।

एनडीएमसी ने कहा कि ई-कचरे को निस्तारण के लिए डीपीसीसी और सीपीसीबी द्वारा निर्धारित संस्थाओं को ही दिया जाना चाहिए। लोगों से भी अपील की है कि वे ई-कचरा जलाने वालों की शिकायत एनडीएमसी के मोबाइल ऐप एनडीएमसी 311 और टोल फ्री नंबर 1533 पर कर सकते हैं। दरअसल, ई-कचरा को जलाने पर तमाम किस्म की हानिकारक गैस निकलती हैं, जिनसे पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है। इसकी रोकथाम के लिए ई-कचरा को जलाए जाने पर पहले ही पाबंदी लगाई जा चुकी है।

डीयू ईसी और वित्त समिति के लिए हुआ सदस्यों का चुनाव

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय कोर्ट की बैठक के पश्चात गुरुवार, 28 मार्च को दिल्ली विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद (ईसी) के चार सदस्य पदों और वित्त समिति के एक सदस्य के लिए मतदान हुआ। डीयू कोर्ट से चुने जाने वाले इन पदों के लिए मतदान हेतु दोपहर बाद 12ः15 बजे से 3ः30 बजे तक का समय निश्चित किया गया था। उसके पश्चात 4ः00 बजे से मतों की गिनती की गई। इस मतदान में रिटर्निंग अधिकारी के तौर पर डीयू कुलसचिव डॉ. विकास गुप्ता और चुनाव अधिकारी के तौर पर संयुक्त कुलसचिव डॉ. रोहण राय को नियुक्त किया गया था।

रिटर्निंग अधिकारी डॉ. विकास गुप्ता ने बताया कि चुनाव में वित्त समिति के सदस्य के लिए दो और कार्यकारी परिषद के लिए 7 उम्मीदवारों ने नामांकन किया था। उन्होंने बताया कि इस चुनाव में कुल 525 मतदाताओं में से 347 ने अपने-अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कार्यकारी परिषद के लिए हुए मतदान में 3 मत अवैध पाए गए और कुल 344 वैध मत प्राप्त हुए।

अंतिम परिणामों के अनुसार कार्यकारी परिषद के लिए 150 मत प्राप्त करके मोनिका अरोड़ा पहले स्थान पर रही। इसी कड़ी में राजपाल सिंह पवार दूसरे, एलएस चौधरी तीसरे और अमन कुमार चौथे स्थान पर रहने के कारण विजेता घोषित किए गए। रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता ने बताया कि वित्त समिति के सदस्य हेतु हुए मतदान में कुल 347 मतों में से 16 मत अवैध पाए गए। बाकी बचे वैध मतों में से जेएल गुप्ता को 224 मत प्राप्त करने पर विजेता घोषित किया गया है।

बेचने की नीयत से पांच बच्चों को अगवा किया

नई दिल्ली। बेचने की नीयत से पांच बच्चों को अगवा करने वाले अपहरणकर्ता को रेलवे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी सेतु वर्मा यूपी के हरदोई का रहने वाला है। हालांकि, बच्चों को पुलिस ने करीब दस दिन पहले वारदात वाले दिन ही नरेला रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया था, लेकिन उस वक्त आरोपी फरार हो गया था। पुलिस के मुताबिक, स्टेशन से बरामद किए गए सभी पांचों बच्चों की उम्र करीब चार से दस साल के बीच थी। पूछताछ में बच्चों ने बताया कि वह सेरसा गांव सोनीपत के रहने वाले हैं और वह दोपहर में ट्यूशन पढ़ने जा रहे थे। तभी रास्ते में इन्हें यह युवक (अपहरणकर्ता) मिला, जिसने इन्हें कुरकुरे चिप्स खिलाए और उन्हें बहला-फुसलाकर अगवा कर स्टेशन लेकर आ गया। रेलवे पुलिस के डीसीपी केपीएस मल्होत्रा ने बताया कि आरोपी सेतु वर्मा यूपी के हरदोई स्थित गांव रामापुर का रहने वाला है। वह दिल्ली में मोमबत्ती बनाने वाली फैक्टरी में काम करता था। पूछताछ में उनसे यह खुलासा किया कि वह बच्चों को अगवा कर उन्हें बेचने के लिए गत 18 मार्च को अपने गांव ले जा रहा था, लेकिन इस दौरान नरेला रेलवे स्टेशन पर गश्त कर रही पुलिस टीम ने पांच बच्चों को स्कूल बैग लेकर स्टेशन पर देखा तो शक हुआ। इसके बाद पुलिस बच्चों से पूछताछ करने लगी तो इन्हें अगवा कर ले रहा था। युवक वहां से भाग गया। हालांकि, पुलिस ने बच्चों से पूछताछ करने के बाद इनके परिजनों को सूचना दी। और सब्जी मंडी रेलवे थाना में इस संबंध में अपहरण का मामला दर्ज कर जांच आरंभ की। पुलिस ने बच्चों का अदालत में बयान दर्ज करवाने के बाद उन्हें परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं, आरोपी की तलाश में तकनीकी जांच शुरू की। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे और कॉल डिटेल रिकॉर्ड की जांच कर आरोपी के ठिकानों पर दबिश देने लगी और गुरुवार को उसे धर दबोचा। आरोपी ने खुलासा किया कि घटना वाले दिन वह अपने साथी से मिलने सोनीपत गया था। जहां उन्होंने बच्चों को अगवा कर बेचने की साजिश रची। इसके बाद आरोपी ने ट्यूशन जा रहे बच्चों को बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया। बहरहाल मामले की जांच में जुटी पुलिस अब गिरफ्तार आरोपी के फरार साथी की तलाश कर रही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति विद्यालय एवं समाज व समुदाय के बीच मे सेतु का काम करेगी

शबाना बेगम,सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्वावधान में हिन्दू शिक्षा समिति दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में विद्यालय एवं समाज व समुदाय की परस्पर भागीदारी विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। हिन्दू शिक्षा समिति के अध्यक्ष अरुण कृष्ण शर्मा व समिति के महामंत्री विनोद शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ।

सर्वप्रथम पांचो विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने गत सत्र 2023-24 में अपने विद्यालयों की विशेष उपलब्धियां तथा नए सत्र की योजनाओं से सभी को अवगत करवाया। इस संगोष्ठी में विद्या भारती के उत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री विजय कुमार नड्डा मुख्य वक्ता के रूप ने मार्गदर्शन किया व मुख्य अतिथि के रूप में देशराज तथा विशिष्ट अतिथि बालकिशन कुलबीर शर्मा महामंत्री (समर्थ शिक्षा समिति) तथा आशीष शर्मा का सानिध्य प्राप्त हुआ। इसी प्रकार यह शिक्षा नीति कौशल विकास पर जोर देती है। छात्रों को 21वीं सदी के कौशल जैसे महत्वपूर्ण सोच, संचार, समस्या-समाधान और डिजिटल साक्षरता से छात्रों को तैयार करती है। इससे उनकी रोजगार क्षमता बढ़ती है और वे

भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार होते हैं। इसके साथ ही नई शिक्षा नीति में छात्रों की रुचि के आधार पर उन्हें आगे बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। सभी आचार्य बंधु-भगिनियों से अपेक्षा है कि वे किस प्रकार से छात्र भैया-बहनें अपने अभिभावकों के माध्यम से समाज, राज्य व अपने राष्ट्र को पुन: विश्व गुरु बनाने की ओर अग्रसर करें। इस शुभ अवसर पर डॉ. हेडगेवार सभागार में उपस्थित सभी विद्यालयों की प्रबंध समिति के सदस्यों, अध्यापकों, अभिभावकों तथा पूर्व छात्रों ने मां सरस्वती के समक्ष वार्षिक समर्पण अर्पित किया। इस अवसर पर एक राष्ट्रभक्ति से ओत प्रोत एकल गीत भी संगीत आचार्य धनंजय ने गाया। मंच संचालन संस्कृत आचार्य कौशल किशोर ने कुशलतापूर्वक किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दू शिक्षा समिति की उपाध्यक्षा कविता बिश्नोई ने की। कार्यक्रम का समापन कल्याण मन्त्र से हुआ।

स्कूल प्राचार्यों को क्षमता निर्माण का पाठ पढ़ाएगा सीबीएसई

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्ध स्कूलों के प्राचार्य अब क्षमता निर्माण का पाठ पढ़ेंगे। इसके लिए बोर्ड ने भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों में प्राचार्यों का एक्सपोजर दौरा कराने का फैसला किया है। इस दौरे के लिए देशभर से सात संस्थानों का चयन किया गया है। अप्रैल से इसकी शुरूआत की जाएगी। बोर्ड का मानना है कि इससे स्कूलों और उच्च शैक्षणिक संस्थानों के बीच तालमेल का लाभ उठाने में मदद मिलेगी सीबीएसई ने प्राचार्यों के लिए भारत के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में एक्सपोजर विजिट आयोजित करने की योजना बनाई है। इस दौरान संस्थानों के वरिष्ठ संकाय सदस्य स्कूल प्राचार्यों का क्षमता का निर्माण करेंगे। बोर्ड का मानना है कि प्रधानाचार्यों की एक्सपोजर विजिट से स्कूलों और उच्च शैक्षणिक संस्थानों के बीच तालमेल का लाभ उठाने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही सामंजस्यपूर्ण बातचीत के लिए एक सकारात्मक मंच तैयार होगा। अप्रैल 2024 से विभिन्न संस्थानों के साथ एक्सपोजर विजिट के लिए जो श्रृंखला निर्धारित की है, वह अप्रैल से मई तक चलेगी। इसके लिए जिन संस्थानों का चयन किया गया है उनमें दिल्ली स्थित टेरी स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, गुजरात स्थित इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नोएडा स्थित एशियन एकेडमी ऑफ फिल्म टेलीविजन, मेघालय स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, आंध्र प्रदेश स्थित इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मुम्बई स्थित विसलिंग वुड्स इंटरनेशनल, रायपुर स्थित इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट शामिल है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि प्राचार्यों को किसी एक संस्थान की विजिट ही कराई जाएगी। इसके लिए उन्हें ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन लिंक से आवेदन करना होगा। यदि आवेदन करने के बाद कोई उपस्थित नहीं हो सकेगा तो इसकी सूचना उन्हें बोर्ड को देनी होगी जिससे कि किसी अन्य प्राचार्य को मौका मिल सके।

आपदा प्रबंधन की तैयारियों के जायजे के लिए दिल्ली में मॉक ड्रिल

नई दिल्ली। दिल्ली में गुरुवार को स्टेट लेवल मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य भूकंप और आग जैसी आपात स्थितियों के लिए विभिन्न सरकारी एजेंसियों, नागरिकों और स्वयंसेवकों की तैयारियों का मूल्यांकन करना था। मॉक ड्रिल दिल्ली के 50 से अधिक स्थानों पर आयोजित की गई। मॉक ड्रिल में बेहतरीन समन्वय का प्रदर्शन कर आपदा प्रबंधन एजेंसियों ने दूसरी एजेंसियों की सतर्कता एवं तैयारियों को परखा। विभिन्न आपातकालीन परिदृश्यों का अनुकरणः दक्षिण दिल्ली में भी डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट मेकला चैतन्य प्रसाद के नेतृत्व में जिला प्रशासन की ओर से मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसमें दिल्ली पुलिस, दिल्ली दमकल विभाग, एमसीडी, पीडब्ल्यूडी, दिल्ली जल बोर्ड, बीएसईएस, आईजीएल हेल्थ विभाग, कैट एंबुलेंस और डिजास्टर विभाग ने हिस्सा लिया। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए दक्षिण दिल्ली जिला के पांच अलग-अलग इलाकों से घटना की सूचना प्राप्त होते ही टीमों का गठन कर उन्हें मौके पर पहुंचने का आदेश दिया गया। इसके बाद तमाम विभाग मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गए। आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयारियों का जायजाः मॉक ड्रिल में दक्षिण दिल्ली जिला के डीसीपी अंकित चौहान और एसीपी, कई थानों के थाना प्रभारी समेत सैकड़ों की संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे। देश और दुनिया में हर साल हजारों लोगों की जान प्राकृतिक आपदाओं और इंसानों द्वारा की गई गलती के कारण चली जाती है। ऐसी ही आपातकालीन स्थिति से लोगों को बचाने के लिए तमाम विभाग अपनी अपनी तैयारी और क्षमता को परखने के लिए हर साल मॉक ड्रिल करते हैं ताकि पता किया जा सके कि हम आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए कितने तैयार हैं।

भाजपा की झूठी कहानी को जनता तक पहुंचाएगी सोशल मीडिया टीम: लवली

शहनवाज़ सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की गतिविधियों के बारे में लोगों तक सच्ची जानकारी पहुंचाने में सोशल मीडिया भी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह वालियंटर आगामी लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए भाजपा की झूठी कहानियों की सच्चाई को सोशल मीडिया पर कांग्रेस की विचारधारा के अनुरूप प्रचारित करेगा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया टीम रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की रैली के प्रचार हर प्लेटफार्म करेगा।

प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर लवली ने इंडिया गठबंधन की रामलीला मैदान में 31 मार्च, 2024 को होने वाली महारैली के लिए हुई सोशल मीडिया कमेटी की बैठक में कहा। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष श्री लवली के अलावा पूर्व मंत्री राजकुमार चैहान, सुखबीर शर्मा, सोशल मीडिया चैयरमैन हिदायतुल्लाह, गीत सैठी, संदीप गुप्ता, अरुण मलिक सहित बड़ी संख्या में सोशल मीडिया वालियंटर मौजूद थे। श्री लवली ने कहा कि भाजपा सांसदों ने दिल्ली के जे.जे. कलस्टरों, पुनर्वास कालोनियों, अनाधिकृत कालोनियों में सुधार व कल्याण के लिए पिछले 10 में

कोई काम नही किया है केवल उनको वोट बैंक की तरह ही प्रयोग किया है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर हमारे कार्यकर्ता इनकी सच्चाई को उजागर करेंगे। श्री लवली ने कहा कि उन्होंने कहा कि ''अपने बूथ से जुड़े'' अभियान की सफलता के बाद सोशल मीडिया टीम ने एक उदाहरण पेश किया है, आज अधिक से अधिक युवाओं को सोशल मीडिया से जुड़कर कांग्रेस की पांच न्याय की लड़ाई में भागीदार बने। उन्होंने कहा कि आज के दौर में राजनीतिक दल को शक्ति प्रदान करने के लिए सोशल मीडिया अहम भूमिका निभा रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म वाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम सहित वेबसाईट पर सोशल मीडिया वालिटंर एक यौद्धा की तरह काम करके कांग्रेस पार्टी की विचारधारा और भाजपा सरकार के खिलाफ कांग्रेस की लड़ाई को बखूबी लड़ रहे है।

सोनीपत से पांच बच्चों को अगवा करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। सोनीपत से बेचने की नीयत से पांच बच्चों को अगवा करने वाले अपहरणकर्ता को रेलवे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दस दिन पहले नरेला रेलवे स्टेशन पर बच्चों को संदिग्ध हालत में देखकर होमगार्ड के जवान ने उन्हें रोक लिया था और इसी दौरान आरोपी वहां से फरार हो गया था। आरोपी की पहचान हरदोई यूपी निवासी सेतु वर्मा के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी के सहयोगियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी सेतु वर्मा गांव रामापुर रुहिला हरदोई यूपी का रहने वाला है। वह दिल्ली में मोमबत्ती बनाने वाली फैक्टरी में काम करता था। पूछताछ में उनसे बताया कि वह बच्चों को अगवा कर अपने गांव ले जाना चाहता था ताकि उन्हें बेचकर पैसे कमा सके। 18 मार्च को होमगार्ड के जवान राकेश कौशिक नरेला रेलवे स्टेशन पर गश्त कर रहे थे। उन्होंने देखा कि एक युवक पांच बच्चों के साथ स्कूल बैग लेकर घूम रहा है। उन्हें उस युवक की गतिविधि पर शक हुआ। वह बच्चों से पूछताछ करने लगे। यह देख बच्चों के साथ मौजूद युवक वहां से भाग गया। चार से दस साल के बच्चों ने पूछताछ में बताया कि वह सेरसा गांव सोनीपत के रहने वाले हैं और वह दोपहर में ट्यूशन पढ़ने जा रहे थे। रास्ते में अपहरणकर्ता ने उन्हें बहला-फुसलाकर कुरकुरे चिप्स खिलाए और उन्हें अगवा कर लिया। पुलिस ने बच्चों के परिजनों को सूचना दी। सब्जी मंडी रेलवे थाना पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर लिया।

एक नजर

पहले दिन 30 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र खरीदे

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर सीट के लिए गुरुवार को नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई। पहले दिन करीब 30 प्रत्याशियों और उनके प्रतिनिधियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर नामांकन पत्र खरीदा। हालांकि, एक भी राजनीतिक और निर्दलीय प्रत्याशी ने नामांकन पत्र जमा नहीं किया। नामांकन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए कलेक्ट्रेट में भारी पुलिस बल तैनात रहा। सुबह 11 बजे से तीन बजे तक प्रक्रिया चली। जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय में भाजपा प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा के लिए उनके समर्थक ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर नामांकन पत्र लिया। कुल 30 नामांकन पत्रों में अधिकांश निर्दलीय प्रत्याशी शामिल रहे। माना जा रहा है कि अगले सप्ताह से नामांकन पत्र खरीदने और जमा कराने में तेजी आएगी। निर्वाचन आयोग ने नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए सामान्य वर्ग के प्रत्याशी के लिए 25 हजार रुपये और अनुसूचित जाति, जनजाति के प्रत्याशी के लिए साढ़े 12 हजार रुपये जमानत राशि रखी है। नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए आयोग ने चार अप्रैल अंतिम तिथि रखी है। पांच अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच होगी। आठ अप्रैल नाम वापसी का अंतिम दिन रहेगा। जिले में 26 अप्रैल को जिले की पांचों विधानसभा क्षेत्र में 2269 बूथों पर मतदान होगा। इस बार चुनाव में 26.20 लाख मतदाता मतदान करेंगे, जिनमें 14.21 लाख पुरुष और 11.98 लाख महिलाएं हैं। लोकसभा चुनाव में नामांकन प्रक्रिया शुरू होते ही कलेक्ट्रेट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। गुरुवार को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कलक्ट्रेट परिसर में अंदर और बाहर जायजा लिया। कलेक्ट्रेट में भारी पुलिस बल तैनात रहा। किसी भी प्रत्याशी और समर्थक के वाहनों को बेरिकेडिंग के अंदर नहीं जाने दिया गया। प्रत्येक व्यक्ति को पूछताछ के बाद भी कलेक्ट्रेट परिसर में प्रवेश मिल सका। खुफिया एजेंसी भी सक्रिय रही।

कार सवारों ने टक्कर मारने का विरोध करने पर परिवार को पीटा

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर अल्फा-1 में रोडरेज के चलते कार सवार परिवार के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि नशे में धुत कार सवार युवकों ने रॉन्ग साइड में आकर पहले उनकी गाड़ी में टक्कर मारी और फिर मारपीट की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने कार सवार चार अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। सेक्टर-37 में रहने वाले उमाशंकर ने पुलिस को बताया कि वह दो दिन पहले अपनी कर में सवार होकर परिवार के साथ सेक्टर अल्फा-1 स्थित अपने घर जा रहे थे। सेक्टर में घुसते ही सामने से विपरीत दिशा में आ रही कार ने उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी। उमाशंकर ने विरोध जताया तो कार में सवार नशे में धुत चार युवक नीचे उतरे और उनके साथ मारपीट करने लगे। आरोपियों ने लोहे की रॉड से हमला कर उनका सिर फोड़ दिया। इसके बाद उनके परिवार की महिलाओं के साथ भी अभद्रता की। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की। सेक्टर बीटा-2 कोतवाली प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर कार सवार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया है। पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

घर बैठे कमाई का झांसा देकर युवक से 16 लाख हड़पे

नोएडा। साइबर अपराधियों ने सेक्टर-128 सुल्तानपुर निवासी युवक को घर बैठे कमाई का झांसा देकर 16 लाख 24 हजार रुपये हड़पे लिए। पीड़ित को व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़कर ठगी की गई। युवक ने सेक्टर-126 थाने में केस दर्ज कराया है। सौरव त्यागी ने पुलिस को बताया कि उनके पास कुछ समय पहले इंस्ट्राग्राम पर मैसेज आया, जिसमें घर बैठे डिजिटल मार्केटिंग और ऑनलाइन ट्रेडिंग करके लाखों रुपये कमाने की बात कही गई थी। उन्होंने जब उक्त नंबर पर संपर्क किया तो उनको व्हाट्सऐप के एक ग्रुप में जोड़ दिया गया। ग्रुप में पहले से 150 लोग जुड़े थे। इसके बाद आरोपियों ने उनको ऑनलाइन पेज की रेटिंग और रिव्यू का टास्क दिया, जिसको उन्होंने पूरा किया। इससे उनको कुछ फायदा हुआ। जालसाजों ने उनको दूसरे टास्क में ऑनलाइन ट्रेडिंग करने के लिए कहा और उनका एक अकाउंट बना दिया। इसके जरिए उन्होंने कई कंपनियों के शेयर में निवेश किया। शुरुआती दौर में उनको फायदा हुआ, लेकिन जब उनकी रकम ज्यादा हो गई तो उनके अकाउंट को बंद कर दिया गया। इसके बाद फिर से अकाउंट को खोलने का झांसा देकर जालसाजों ने कई बार में उनसे 16 लाख 24250 रुपये ले लिए। जब उन्होंने जालसाजों से अपने रुपये मांगे तो उनको ग्रुप से बाहर कर दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्लॉट कब्जाने के आरोप में प्रॉपर्टी डीलर समेत 13 पर केस

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र के देवला गांव में प्लॉट पर कब्जे का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने प्रॉपर्टी डीलर समेत 13 लोगों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दिल्ली निवासी सुशील भारद्वाज ने पुलिस को बताया कि उन्होंने वर्ष 2007 में देवला गांव में 200 वर्ग मीटर का प्लॉट खरीदा था। प्लॉट के कुछ हिस्से पर उन्होंने कब्जा कर पक्का निर्माण कर लिया, जबकि कुछ हिस्सा खाली था। उनका प्लॉट पर कम आना-जाना रहता था। इस बीच एक प्रॉपर्टी डीलर ने अपने कुछ साथियों की मिलीभगत से उनके प्लॉट के आधे हिस्से पर कब्जा करवा दिया। पीड़ित कुछ दिन पहले प्लॉट पर पहुंचा तो कब्जे के बारे में पता चला।

संपत्ति- कर, बिजली, पानी बिल और एस्टेट का बकाया जमा करने के लिये एनडीएमसी काउंटर 30 और 31 मार्च को खुले रहेंगे

सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के संपत्ति - कर, वाणिज्यिक, संपदा विभाग और कैश काउंटर निवासियों, करदाताओं, सेवा उपयोगकर्ताओं, बिजली और पानी के उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए 30 और 31 मार्च, 2024 को शनिवार और रविवार होने पर भी खुले रहेंगे*, जिससे एनडीएमसी क्षेत्र में रहने वाले उपभोक्ता बकाया संपत्ति कर, बिजली और पानी के बिल और सम्पदा बकाया के भुगतान करवा सके। एनडीएमसी कर, संपदा, वाणिज्यिक विभाग और कैश शाखा वित्तीय वर्ष 2023-2024 के समापन के कारण 30 और 31 मार्च, 2024 (शनिवार और रविवार) को खुले रहेंगे संपत्ति कर और बिलों के संग्रह के लिए रात्रि 08 बजे तक और गोल मार्केट में शहीद भगत सिंह प्लेस (केवल 30.03.2024 को), संसदीय सौध

के साथ-साथ संसद मार्ग पर पालिका केंद्र पर स्थित सभी कलेक्शन काउंटर भी शाम 6.00 बजे तक खुले रहेंगे। एनडीएमसी के सभी सेवा उपयोगकर्ताओं, करदाताओं, बिजली और पानी के उपभोक्ताओं को यह सलाह दी जाती है कि आखिरी घंटे की भीड़ से बचें और जहां तक संभव हो कलेक्शन काउंटर बंद होने के आखिरी घंटों का इंतजार न करें। इच्छुक नागरिक अपने संपत्ति कर, बिजली, पानी के बिल और संपदा के बकाया को जमा करने की योजना समय रहते बना सकते हैं। इसके अलावा, एनडीएमसी क्षेत्र के निवासी, करदाता, सेवा उपयोगकर्ता अपना भुगतान ऑनलाइन मोड के माध्यम से भी जमा कर सकते हैं।

शेयर बाज़ार में निवेश के बहाने पूर्व आईपीएस अधिकारी से 30 लाख ऐंठे

नोएडा। साइबर अपराधियों ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट निवासी रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी को आईपीओ और शेयर बाजार में निवेश कराने का झांसा देकर 30 लाख 62 हजार रुपये ऐंठ लिए। आरोपी ने पीड़ित को व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़कर ठगी की। पीड़ित ने सेक्टर-36 साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया है। सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी शैलेंद्र कुमार ने पुलिस को बताया कि उनके पास कुछ समय पहले व्हाट्सऐप पर मैसेज आया, जिसमें घर बैठे डिजिटल मार्केटिंग और ऑनलाइन ट्रेडिंग करके लाखों रुपये कमाने की बात कही गई थी। उन्होंने जब उक्त नंबर पर संपर्क किया। फोन उठाने वाले ने उनको बताया कि उनकी कंपनी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बंबई स्टॉक एक्सचेंज में निवेश कराती है। झांसे में लेकर उनको व्हाट्सऐप के एक ग्रुप में जोड़ दिया गया। ग्रुप में पहले से 100 लोग जुड़े थे। इसके बाद आरोपियों ने उनको ऑनलाइन टास्क दिया। इससे उनको कुछ फायदा हुआ। इसके बाद जालसाजों ने उनको आईपीओ और कंपनियों के शेयर में निवेश करने का टास्क दिया। आरोपियों द्वारा दिए ऐप में उनके निवेश किए रुपये बढ़ते दिखे। इसकी वजह से उन्होंने 30 लाख 62980 हजार रुपये निवेश कर दिए। वह जब अपने मुनाफे की रकम को वापस लेने लगे तो आरोपियों ने उनके ट्रेडिंग अकाउंट को बंद कर दिया। इस दौरान जब उन्होंने उनसे वापस से अकाउंट को खोलने के लिए कहा तो जालसाज उनसे और रुपये निवेश करने के लिए कहने लगे। जब उन्होंने जालसाजों से अपने निवेश के रुपये वापस मांगने लगे तो उनको व्हाट्सऐप ग्रुप से बाहर कर दिया।

प्रभात फेरी कर किया सराय ख्वाजा विद्यालय द्वारा मतदान प्रेरणा अभियानः जिला निर्वाचन

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे संवाददाता

फरीदाबाद। जिला निर्वाचन अधिकारी कम डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि प्रभात फेरी निकाल करके सराय ख्वाजा विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा मतदान प्रेरणा अभियान चलाया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि जिला फरीदाबाद के मतदाता विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में18 वीं लोकसभा चुनाव के लिए सौ प्रतिशत मतदान के भागीदार बनें।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी विक्रम यादव के निर्देशानुसार भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार सीईओ जिला परिषद सतबीर मान के कुशल मार्गदर्शन में स्थानीय सराय ख्वाजा के गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा एईआरओ स्वीप एक्टिविटी के तत्वावधान में तिगांव विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के लिए मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। स्कूल के प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने के लिए प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। प्रभात फेरी को प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने हरी झंडी दिखा कर मतदाताओं को जागरूक करने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार मतदाता जागरूकता अभियान के तहत स्वीप एक्टिविटी के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रभात फेरी मैन मार्केट सराय ख्वाजा, बजरंग चौक, अशोका एन्क्लेव, सेक्टर-37 मुख्य बाजार एवं निकटवर्ती कॉलोनियों से निकलती हुई गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल सेक्टर -37 संपन्न हुई। इस प्रभात फेरी में विद्यालय के 130 से भी अधिक विद्यार्थियों, जूनियर रेडक्रॉस, सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड एवं एन एस एस स्वयंसेवकों तथा अध्यापकों सुनील कुमार, सीमा, जितेंद्र गोगिया, पवन कुमार, राहुल रोहिल्ला, अजय गर्ग, सुशीला बेनीवाल एवं अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे। प्रभात फेरी में विद्यार्थी प्रजातंत्र का महा पर्व, लोकतंत्र का गर्व; आप का वोट, निश्चित करेगा देश का भविष्य, हमारा वोट हमारा अधिकार जैसे स्लोगन लिखी पट्टिकाए लेकर गाते हुए सभी की वोट डालने के लिए प्रेरित कर रहे थे।

देश के विकास में उद्यमियों का अहम योगदानः बंडारू दत्तात्रेय

शोएब आलम, रिपोर्टर, संद्भावना टुडे

फरीदाबाद। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि देश के विकास में उद्यमियों का अहम योगदान है। फरीदाबाद इंडस्ट्रीज को भारत के साथ विश्व में पहचान बनाने के लिए सभी उद्यमी भागीदार बनें। राज्यपाल दत्तात्रेय गुरुवार को स्थानीय मैगपाई काम्पलेक्स में ऑल इंडिया फोरम ऑफ एमएसएमई की ओर से आयोजित प्रथम राष्ट्रीय एमएसएमई महोत्सव को सम्बोधित कर रहे थे। दत्तात्रेय ने महोत्सव में उपस्थित सभी अतिथियों, उद्यमियों एवं मीडिया कर्मियों को कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने सभी उद्यमियों एवं ऑल इंडिया फोरम के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राज्यपाल दत्तात्रेय और अन्य मेहमानों ने दी प्रज्ज्वलित कर महोत्सव का शुभारंभ किया। राज्यपाल दत्तात्रेय ने कहा कि एक शिल्पकार से लेकर शहरी क्षेत्र में मौजूद स्टार्ट अप, स्मार्ट सॉल्यूशन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग तक आते हैं। आज एमएसएमई/एमएसएमई के अंतर्गत न केवल मैन्युफैक्चरिंग एवं सर्विस उद्योग आते है, अपितु व्यापार को भी इसमें शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन एवं करदाता के रूप में आपका योगदान महत्वपूर्ण है। राज्यपाल ने कहा कि एक उद्यमी का जीवन चुनौतियों से परिपूर्ण है। इन चुनौतियों के बीच आपका संयम, साहस,

जोखिम एवं प्रतिदिन बदलने वाली टेक्नोलॉजी के मध्य खड़े रहना प्रेरित करने वाला है। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था के दौर में उद्यमियों द्वारा की गई मेहनत की बदौलत जो एक अच्छा ईसीओ सिस्टम हमारे देश में उपलब्ध है। उसकी प्रशंसा पूरे देश में की जाती है। इसी के परिणाम स्वरूप है। राज्यपाल दत्तात्रेय ने एआईएफओएम के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम सुंदर कपूर एवं राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार चौधरी को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने इस संस्था का निर्माण करके हजारों उद्यमियों को विकास का एक रास्ता दिखाया है। इसके अतिरिक्त इस राष्ट्रीय महोत्सव के दौरान सम्मानित होने वालों को बधाई देते हुए कहा कि उम्मीद करते हैं कि जो उद्यमी आज अवार्ड नहीं ले पाये हैं। वे और अधिक मेहनत एवं अच्छा कार्य करेंगे। भविष्य में अवश्य यह अवार्ड प्राप्त करेंगे।

फर्जी कॉल सेंटर का भंड़ाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

शहजाद सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

फरीदाबाद। कंपनी में नौकरी लगवाने के नाम पर धोखाधड़ी करके करने वाले कॉल सेंटर का क्राइम ब्रांच सेक्टर-30 टीम ने गुरुवार को भंड़ाफोड़ करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो लैपटॉप तथा 13 मोबाइल फोन व सिम कार्ड बरामद किए है।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दिलशाद तथा मनीष का नाम शामिल है। दोनों आरोपी फरीदाबाद के आदर्श नगर एरिया के रहने वाले हैं और ओल्ड थाना एरिया में फर्जी कॉल सेंटर चलाते हैं, जिसमें वह नौकरी की तलाश कर रहे व्यक्तियों के साथ कंपनी में नौकरी लगवाने के नाम पर उनके साथ ठगी करते थे। क्राइम ब्रांच की टीम ने गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर ओल्ड थाना एरिया में चल रहे फर्जी कॉल सेंटर पर रेड डाली जहां पर उन्हें उक्त दोनों आरोपी मिले जो फोन पर बात कर रहे थे। आरोपियों से कॉल सेंटर के मालिक के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि वही कॉल सेंटर के मालिक हैं। आरोपियों से जब कॉल सेंटर चलाने का लाइसेंस मांगा गया तो वह कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके इसके पश्चात उन्हें काबू करके वहां पर मौजूद 2 लैपटॉप तथा 13 मोबाइल फोन व सिमकार्ड बरामद किए

गए। आरोपियों के खिलाफ ओल्ड थाने में धोखाधड़ी की धाराओं के तरह मुकदमा दर्ज करके मामले में पूछताछ की गई जिसमें सामने आया कि आरोपी नौकरी की तलाश कर रहे व्यक्तियों का डाटा लेकर उन्हें फोन करते हैं और नौकरी दिलवाने का लालच देते हैं। इसकी एवज में उन व्यक्तियों से पैसे लेते हैं। मामले में गहनता से पूछताछ करने के लिए आरोपियों को अदालत में पेश करके 5 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है जिसमें पुलिस रिमांड के दौरान मामले में शामिल अन्य आरोपियों की धरपकड़ की जाएगी।

मोटो जीपी बाइक रेस के आयोजन में अनियमितता के आरोपों की जांच शुरू

ग्रेटर नोएडा। बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर सितंबर में हुई मोटो जीपी बाइक रेस के आयोजन में अनियमितता के आरोपों की जांच शुरू हो गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने मुख्य आयोजक फेयर स्ट्रीट स्पोर्ट्स समेत अन्य कंपनियों को नोटिस जारी कर पक्ष रखने को कहा है। आरोपों की जांच रिपोर्ट इन्वेस्ट यूपी समिति को भेजी जाएगी। बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर सितंबर 2023 में मोटो जीपी बाइक रेस के लिए प्रदेश सरकार ने 18 करोड़ रुपये दिए थे। आयोजन में अनियमितता बरतने के गंभीर आरोप लगे हैं। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र को पत्र लिखकर आयोजक कंपनी फेयर स्ट्रीट स्पोर्ट्स को दी गई धनराशि का ऑडिट और अनुबंध की शर्त के पालन की जांच कराने की मांग की थी। आयोजक कंपनी ने स्पेन की डोरना कंपनी को लाइसेंस शुल्क का 120 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया।

सपा ने फिर डॉ. महेंद्र नागर को प्रत्याशी बनाया

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी ने डॉ. महेंद्र नागर को दोबारा प्रत्याशी घोषित किया। पांच दिन पहले डॉ. महेंद्र नागर का टिकट काटकर युवा नेता राहुल अवाना को प्रत्याशी बनाया गया था। गुरुवार को लखनऊ में पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव के साथ स्थानीय नेताओं की बैठक के बाद महेंद्र नागर को ही चुनाव लड़ाने का ऐलान किया गया।

समाजवादी पार्टी ने 16 मार्च को डॉ. महेंद्र नागर को प्रत्याशी घोषित किया था। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर प्रचार भी शुरू कर दिया था। पांच दिन बाद ही उनके स्थान पर राहुल अवाना को टिकट दे दिया गया। पार्टी के अंदर इसको लेकर विरोध था। साथ ही, कई नेताओं ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से भी मुलाकात कर इस मामले पर बातचीत की। प्रत्याशी पर निर्णय के लिए दोबारा डॉ. महेंद्र नागर, राहुल अवाना, नोएडा अध्यक्ष आश्रय गुप्ता और जिलाध्यक्ष सुधीर

भाटी को लखनऊ बुलाया गया। उनके साथ हुई चर्चा के बाद दो बार पार्टी प्रत्याशी को बदला गया। नोएडा सपा के महानगर अध्यक्ष आश्रय गुप्ता ने बताया कि इस बार दो प्रत्याशी घोषित किए गए थे। लिहाजा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने डॉ. महेंद्र नागर और राहुल अवाना के साथ बातचीत की। दोनों की सहमति से डॉ. महेंद्र नागर का टिकट पक्का कर दिया गया है। सिंबल भी दे दिया गया है। सभी मिलकर मजबूती से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे।

अधिकारी-कर्मचारी चुनाव प्रचार से बनाकर रखें दूरीः विक्रम सिंह

फरीदाबाद। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने जिला के अधिकारियों व कर्मचारियों से लोकसभा चुनाव-2024 के दौरान आदर्श आचार संहिता की दृढ़ता से पालना करने का आह्वान किया है। लोकसभा आम चुनाव की घोषणा के साथ ही देशभर में आदर्श आचार संहिता लागू हो चुकी है। उन्होंने बताया कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी लोकसभा आम चुनाव के दौरान चुनाव प्रचार में संलिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों अनुरूप कार्रवाई की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने विभिन्न इंजीनियरिंग विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए बताया कि आदर्श आचार संहिता प्रभावी होने की तिथि के बाद कोई भी नया कार्य आरंभ नहीं किया जा सकता है। जो कार्य धरातल पर पहले से शुरू हैं, वे ही जारी रहेंगे। उन्होंने बताया कि उपायुक्त कार्यालय की ओर से विभिन्न विभागों की विकास कार्य से संबंधित रिपोर्ट पहले ही मंगवा ली गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जिला के सभी अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि विश्राम गृहों में कोई भी राजनीतिक गतिविधियां न हो। न ही उनकी पूर्व स्वीकृति के बिना विश्राम गृहों की बुकिंग की जाए। इसी प्रकार शिक्षण संस्थानों व धार्मिक स्थलों को भी चुनाव प्रचार के संबंध में प्रयोग नहीं किया जा सकता।अब पूरी सरकारी मशीनरी भारत निर्वाचन आयोग की प्रतिनियुक्ति पर है और अधिकारियों व कर्मचारियों की भारत निर्वाचन आयोग के प्रति पूर्ण जवाबदेही है। उन्होंने कहा कि जिला में लोकसभा आम चुनाव का कार्य एक टीम भावना से पूरा करना होगा। लोकसभा आम चुनाव में जिला के प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी का कार्य अपनी जगह बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अगर टीम में पूर्ण तालमेल बना रहता है तो कोई भी कार्य मुश्किल नहीं होता। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि आदर्श आचार संहिता के दौरान किसी भी सरकारी व अर्ध सरकारी एवं निजी सम्पत्ति पर किसी प्रकार का कोई भी राजनीतिक संदेश, होर्डिंग्ज, पोस्टर, वाल पेंटिंग आदि नहीं लगाई जा सकती है।

बस अड्डे पर बने शौचालय पर तीन से लगा ताला

मोदीनगर। दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित रोडवेज बस अड्डा परिसर में बना शौचालय तीन साल से बंद पड़ा हुआ है। इस कारण महिला यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है। बस अड्डा पर पीने के पानी की समुचित व्यवस्था नहीं है। पेयजल आपूर्ति मोटर 15 दिन से खराब है और हैंडपंप भी महीनों से काम नहीं कर रहा। लोगों ने मुख्यमंत्री को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसकी शिकायत की है।

दिल्ली मेरठ मार्ग पर रोडवेज बस स्टैण्ड़ स्थित है। रोडवेज बस से हापुड के लिए बसों को संचालन होता है। बस स्टैण्ड़ पर रोजाना पांच हजार से अधिक लोगों का आवागमन होता है। बस स्टैण्ड़ परिसर में बना सार्वजनिक शौचालय पर ताला लटका हुआ है। बताया जा रहा है कि सार्वजनिक शौचालय पर तीन साल से ताला लटका हुआ है। इसके अलावा स्टैण्ड़ परिसर में गंदगी पसरी रहती है। बस स्टैंड के बाहर बने शौचालय पर दस पर शुल्क वसूला जाता है,कई बार स्टाफ से शिकायत की, मगर कोई सुनवाई नहीं हुई। रोडवेज बस स्टैंड का लगभग पांच वर्ष पूर्व जीर्णोद्धार हुआ था। पांच साल पहले कस्बा पतला में एक सभा को सम्बोधित करने आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसका

लोकार्पण किया था। मोदीनगर रोडवेज बस स्टैंड से मथुरा, अलीगढ़, मुरादाबाद और हापुड़ के लिए बसें संचालित होती हैं। बस स्टैंड प्रभारी प्रमोद कुमार ने बताया कि लगभग 15 दिन पूर्व पेयजल आपूर्ति मोटर खराब हो गई थी। एआरएम कार्यालय हापुड़ शिकायत की हुई है। साथ ही हैंडपंप की शिकायत ऑनलाइन पोर्टल पर की हुई है। अभी तक हैंडपंप ठीक नहीं हुआ है। इसके अलावा सफाई का ठेका हापुड़ निवासी राजेश के पास है। सफाईकर्मी कभी-कभी आता है। वहीं एआरएम हापुड़ रणजीत सिंह का कहना है कि पेयजल मोटर शीघ्र ठीक करा दी जाएगी। सार्वजनिक शौचालय बंद रहने का मामला सामने आया है। जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

जनतंत्र की मूल भावना पर न हो आघात

विश्वनाथ सचदेव

दिल्ली के मुख्यमंत्री और 'आप' पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल गिरफ्तार होंगे, यह सब जानते थे। सवाल सिर्फ कब गिरफ्तार होंगे का था। अब उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार कर लिया है। यह शब्द लिखे जाने तक उन्हें ज़मानत नहीं मिली है, और इसी तरह की पहली गिरफ्तारियों को देखते हुए यही लग रहा है कि ज़मानत आसान नहीं है। ईडी सरकार के इशारों पर काम करती है, इस आशय के आरोप लगाने वाले यह भी कह रहे हैं कि आम-चुनाव से ठीक पहले केजरीवाल को गिरफ्तार करके केंद्र में सत्तारूढ़ दल ने विपक्ष के एक कद्दावर नेता को चुप करने का काम किया है। पिछले एक अर्से से जिस तरह विपक्ष के नेताओं को कमज़ोर बनाने की कोशिश हो रही है, उसे देखते हुए केजरीवाल की गिरफ्तारी पर न तो आश्चर्य व्यक्त किया जा सकता है, और न ही यह कहा जा सकता है कि यह गिरफ्तारी अप्रत्याशित थी। यह अनुमान लगाना भी मुश्किल नहीं है कि इस समय ही यह गिरफ्तारी क्यों हुईङ्क चुनाव से ठीक पहले हुई इस गिरफ्तारी से मतदाता को एक संदेश तो मिलता ही है कि गिरफ्तार होने वाले ने कुछ तो ग़लत किया ही है। वहीं शायद केजरीवाल भी गिरफ्तारी का राजनीतिक लाभ उठाने की उम्मीद में बैठे थेङ्क वह स्वयं को पीड़ित दिखाकर मतदाता की सहानुभूति की उम्मीद कर ही सकते हैं।

मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए किसी को इस तरह गिरफ्तार किए जाने की भले ही यह पहली घटना हो, पर झारखंड के मुख्यमंत्री को भी लगभग इसी तरह कमज़ोर बनाया गया था। यह सही है कि गिरफ्तारी से ठीक पहले उन्होंने पद से त्यागपत्र देकर अपने उत्तराधिकारी की राह आसान बना दी थी, पर मामला यहीं तक सीमित नहीं था। सवाल मुख्यमंत्री की इस तरह की गई गिरफ्तारी के राजनीतिक संकेतों का है। किसी केजरीवाल अथवा किसी सोरेन ने कोई अपराध किया है तो उसे सज़ा मिलनी ही चाहिए। लेकिन ऐसी किसी कार्रवाई के मंतव्य को समझने की भी आवश्यकता होती है। जिन स्थितियों में और जिस तरीके से ऐसी कार्रवाई हुई है, या हो रही है, उसे देखते हुए यह अनुमान लगाना स्वाभाविक है कि इस सबके पीछे विपक्ष को कमज़ोर बनाने और राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश हो रही है। सरकार यह कह कर पल्ला नहीं झाड़ सकती कि ईडी, सीबीआई , इनकमटैक्स जैसी संस्थाओं को सांविधानिक संरक्षण प्राप्त है और उनके कामकाज में सरकार दखलंदाजी नहीं करती। यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय के ही एक माननीय न्यायाधीश ने कभी सीबीआई को 'पिंजरे में बंद तोता' कहा था! सत्ता की राजनीति में तब और आज कोई बड़ा परिवर्तन नहीं दिखाई देता। देखा यह जा रहा है कि जन-समर्थन राजनीतिक नेतृत्व को एकाधिकारवादी बना देता हैङ्क बना रहा है! जनतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव का होना या चुनाव में जीतना ही पर्याप्त नहीं होता। चुनावों का सही तरीके से होना, चुनाव में भाग लेने के लिए सबको समान और उचित अवसर मिलना जनतंत्र के औचित्य की एक महत्वपूर्ण शर्त है। आज जो स्थितियां देश में बनती जा रही हैं, वे, दुर्भाग्य से, इस आशय का कोई आश्वासन नहीं दे रही हैं। किसी निर्वाचित मुख्यमंत्री का गिरफ्तार होना एक कथित आरोपी मात्र का गिरफ्तार होना नहीं होता। यदि किसी ने कोई अपराध किया है तो उसे अपने किए की सज़ा मिलनी ही चाहिए। लेकिन यदि सज़ा देने के नाम पर किसी प्रकार का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की जाती है तो उसे उचित नहीं माना जा सकता। इसीलिए यह सवाल उठता है कि किसी केजरीवाल या किसी सोरेन को चुनाव से ठीक पहले ही गिरफ्तार करना क्यों ज़रूरी समझा गया? यहां सवाल जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों का भी है। यह कहना तो ग़लत होगा कि देश में जनतांत्रिक मूल्यों का पराभाव हो चुका है, लेकिन जनतंत्र को नये अर्थ देने की कोशिशों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। समय पर चुनाव होने अथवा किसी नेता की लोकप्रियता के आधार पर जनतंत्र की सफलता अथवा औचित्य को नहीं नापा-परखा जा सकता। जनतंत्र का अर्थ होता है नागरिक के अधिकारों, और कर्तव्यों का भी, संरक्षण। इसके साथ ही मज़बूत विपक्ष की महत्ता को समझा जाना भी ज़रूरी है। जनतंत्र में विपक्ष का काम मात्र आलोचना करना नहीं होता, विपक्ष को ईमानदार, सजग चौकीदार की भूमिका भी निभानी होती है। विपक्ष की सतत जागरूकता जनतंत्र के सफल और सार्थक होने की पहली और ज़रूरी कसौटी है। लेकिन, दुर्भाग्य से हम अपने देश में विपक्ष को लगातार कमज़ोर किए जाने की कोशिशों को होता देख रहे हैं। संदेह होता है कि सत्तारूढ़ पक्ष विपक्षहीन जनतंत्र की कोशिश में ही तो नहीं लगा? विपक्ष के मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी अथवा उन पर कार्रवाई किए जाने की लटकती तलवार से यह संशय होना स्वाभाविक है कि हमारा ताकतवर सत्तारूढ़ पक्ष कहीं विपक्षहीनता की स्थिति लाने की जुगाड़ में तो नहीं है? जिस तरह विपक्ष की सरकारों को कमज़ोर करने या काम न करने देने की स्थिति में लाने की कोशिशें होती दिख रही हैं, वह अच्छा संकेत तो नहीं ही है। जिस तरह दल-बदल को बढ़ावा दिया जा रहा है और जिस तरह से सरकारों को तोड़ा गया या उन्हें तोड़े जाने की कोशिशें हो रही हैं, वह जनतंत्र की दृष्टि से अच्छा संकेत नहीं है। किसी लोकप्रिय नेता का अहंकार भी जनतंत्र की मूल भावना के विपरीत ही होता है। दस साल पहले जब भाजपा सत्ता में आयी थी तो उसने कांग्रेस-मुक्त भारत का नारा दिया था। इस नारे में कहीं कुछ ग़लत नहीं था। लेकिन जब किसी एक राजनीतिक दल से मुक्ति के बजाय समूचे विपक्ष से मुक्त जनतंत्र की बात कही जाती है, अथवा इसके प्रयास होते दिखते हैं तो सत्तारूढ़ पक्ष की मंशा पर शक होना स्वाभाविक है। मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी, राज्यपालों द्वारा विपक्षी सरकारों के काम में अड़ंगा डालना, दल- बदल के लिए लालच देना, विपक्ष को काम न करने देना जैसे उदाहरण यह बताने के लिए पर्याप्त हैं कि जनतंत्र की मूल भावना पर आघात हो रहे हैं। यह आने वाले खतरों का संकेत है। जनतंत्र चुनाव से चुनाव तक की प्रक्रिया का नाम नहीं है। चुनाव समय पर हों, यह एक शर्त है स्वस्थ जनतंत्र की, लेकिन एकमात्र शर्त नहीं। स्वस्थ और समर्थ जनतंत्र का तकाज़ा है कि जनतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हो। जैसे न्याय होना ही नहीं, होते हुए दिखना भी चाहिए, वैसे ही जनतांत्रिक मूल्यों के प्रति सम्मान का भाव भी सम्मान किये जाने की प्रक्रिया के होते हुए दिखने की भी अपेक्षा करता है। आज जो कुछ हो रहा है उसे देखते हुए इस खतरे की आशंका स्वाभाविक है कि कहीं हम चुनावी एकाधिकारवाद की तरफ तो नहीं बढ़ रहे?

विकसित देशों में भी जन्म-मृत्यु दर में असंतुलन पैदा हो गया है। अध्ययन के मुताबिक 2030 तक स्पेन, दक्षिण कोरिया, रूस, सिंगापुर और जर्मनी की आबादी घटनी शुरू हो जाएगी। इसके अलावा भारत, नेपाल, श्रीलंका और म्यांमार की आबादी की रफ्तार भी थम सकती है। अभी हालत यह है कि कई विकसित देशों में बच्चों की जन्मदर बहुत तेजी से घट रही है। इसमें सिंगापुर और जापान प्रमुख हैं। सिंगापुर में बच्चों की जन्मदर 0.97 प्रतिशत है तो जापान में बच्चों की जन्मदर 0.6 है। कोरिया में प्रजनन दर 0.72 प्रतिशत है। इस तरह देखें तो जन्मदर उन देशों में सबसे कम है जो विकसित और खुशहाल माने जाते हैं। गौरतलब है जापान ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए युवाओं को इनाम दे रहा है। इसके बावजूद शादी करने वाले युवाओं की संख्या लगातार कम हो रही है। वर्ष 2023 में महज चार लाख युवाओं ने ही शादियां कीं। इसी तरह सिंगापुर में 2023 में 26,500 युवाओं ने ही शादियां कीं। जन्मदर की यह कमी जापान और सिंगापुर की अर्थव्यवस्था पर सीधे असर डाल रही है। चीन, जो आबादी के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा देश है, की आबादी वर्ष 2100 तक आज के स्तर से आधी यानी 1.4 अरब से घट कर 77.1 करोड़ रह सकती है। लेकिन दुनिया के तमाम अविकसित देशों में आबादी घटने के बजाय लगातार बढ़ रही है। इनमें अफ्रीकी देशों के अलावा मध्यपूर्व के मुस्लिम देश भी शामिल हैं। वहीं जिन देशों में बच्चों की जन्मदर बहुत अधिक है, उन देशों को संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। इसमें पीने के पानी, खाद्यान्न के अलावा दवाएं व रोजगार की कमी शामिल है।

आबादी असंतुलन से उपजे संकट की आहट

अखिलेश आर्येंदु

एक दौर था जब दुनिया के तमाम देश बढ़ती आबादी और संसाधनों के बेतहाशा दोहन और कम संसाधनों की वजह से परेशान थे। आज भी तमाम विकासशील देश बढ़ती आबादी से बढ़ रही समस्याओं और संसाधनों की कमी की वजह से परेशान हैं। दूसरी तरफ विकसित देशों में घटती जन्मदर से आर्थिक और सामाजिक ताने बाने पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। वर्ष 2022 के संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक पिछले दस वर्षों में एक करोड़ से ज्यादा आबादी वाले आठ देशों की आबादी कम हो गई है, जिनमें ज्यादातर देश यूरोप के हैं। जापान आबादी में आ रही गिरावट व बुजुर्गों की बढ़ती आबादी से परेशान है। इसका सामाजिक-आर्थिक हालात पर असर पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय जनरल द लेंसेट में 20 मार्च 2024 को प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारत में लड़कियों की आबादी दर घटने के कारण सामाजिक ताने बाने पर असर पड़ रहा है। जीवन शैली में बदलाव की वजह से युवा शादियां विलम्ब से करने लगे हैं, जिसका असर बच्चों के पालन-पोषण, उनकी शिक्षा और सेहत पर पड़ता है। इससे सामाजिक ताना-बाना गड़बड़ा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 1950 तक यानी 74 साल पहले भारत की प्रजनन दर जो 6.2 थी, 2021 साल आते-आते घट कर दो प्रतिशत से भी कम रह गई। अध्ययन व अनुमान के मुताबिक 2050 तक प्रजनन दर घट कर 1.29 और साल 2100 में घटते-घटते 1.04 तक पहुंच सकती है। गौरतलब है प्रजनन दर 2.1 को रिप्लेसमेंट लेवल कहा जाता है। यानी इस दर पर आबादी स्थिर रहती है और इससे कम होने पर घटने लगती है। युवाओं की आबादी घटने का मतलब वृद्धों की आबादी में वृद्धि। यानी श्रम शक्ति में कमी आना। यह किसी भी देश के लिए एक जोखिम की स्थिति हो सकती है। भारत को भी एक या दो दशक बाद श्रम शक्ति की कमी से समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

विकसित देशों में भी जन्म-मृत्यु दर में असंतुलन पैदा हो गया है। अध्ययन के मुताबिक 2030 तक स्पेन, दक्षिण कोरिया, रूस, सिंगापुर और जर्मनी की आबादी घटनी शुरू हो जाएगी। इसके अलावा भारत, नेपाल, श्रीलंका और म्यांमार की आबादी की रफ्तार भी थम सकती है। अभी हालत यह है कि कई विकसित देशों में बच्चों की जन्मदर बहुत तेजी से घट रही है। इसमें सिंगापुर और जापान प्रमुख हैं। सिंगापुर में बच्चों की जन्मदर 0.97 प्रतिशत है तो जापान में बच्चों की जन्मदर 0.6 है। कोरिया में प्रजनन दर 0.72 प्रतिशत है। इस तरह देखें तो जन्मदर उन देशों में सबसे कम है जो विकसित और खुशहाल माने जाते हैं। गौरतलब है जापान ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए युवाओं को इनाम दे रहा है। इसके बावजूद शादी करने वाले युवाओं की संख्या लगातार कम हो रही है। वर्ष 2023 में महज चार लाख युवाओं ने ही शादियां कीं। इसी तरह सिंगापुर में 2023 में 26,500 युवाओं ने ही शादियां कीं। जन्मदर की यह कमी जापान और सिंगापुर की अर्थव्यवस्था पर सीधे असर डाल रही है। चीन, जो आबादी के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा देश है, की आबादी वर्ष 2100 तक आज के स्तर से आधी यानी 1.4 अरब से घट कर 77.1 करोड़ रह सकती है। लेकिन दुनिया के तमाम अविकसित देशों में आबादी घटने के बजाय लगातार बढ़ रही है। इनमें अफ्रीकी देशों के अलावा मध्यपूर्व के मुस्लिम देश भी शामिल हैं। वहीं जिन देशों में बच्चों की जन्मदर बहुत अधिक है, उन देशों को संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। इसमें पीने के पानी, खाद्यान्न के अलावा दवाएं व रोजगार की कमी शामिल है। भारत में पिछले दस सालों में पानी, खाद्यान्न और रोजगार में कमी देखी जा रही है, लेकिन बूढ़े हो रहे लोगों की संख्या बढ़ रही है। वहीं भारत के पड़ोसी देशों से खासकर बांग्लादेश, म्यांमार से पलायन कर आए शर्णार्थियों की वजह से भी जनसंख्या घनत्व पर असर पड़ा है। भारत में स्थिर जनसंख्या के लक्ष्य को हासिल करना बहुत बड़ी चुनौती है। बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्यप्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे तमाम राज्यों में बच्चों की जन्मदर काफी अधिक है। इन राज्यों में जनसंख्या घनत्व दूसरे राज्यों से अधिक है। इसी के साथ भारत में युवाओं की बहुत बड़ी आबादी बेरोजगार है। इसलिए रोजगार की समस्या को प्राथमिकता के तौर पर हल करें। यूं तो बेरोजगारी की समस्या को हल करने के मद्देनजर सरकारों ने कई कदम उठाए हैं, लेकिन आज भी करोड़ों की तादाद में भारत के युवा बेरोजगार हैं। इसलिए गैर बराबरी की समस्या भारतीय समाज में तेजी से बढ़ी है। भारत एक विकसित देश बने, इसके लिए जरूरी है कि आबादी में संतुलन बनाया जाए।

विचार

प्रदूषण नियंत्रणः संसाधनों की कमी बड़ी बाधा

अनिरुद्ध गौड़

एनजीटी ने पिछले साल अक्टूबर, 2023 में राज्यों में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी) और केंद्रशासित प्रदेशों की प्रदूषण नियंत्रण समितियां (पीसीसी) में पदों पर कर्मियों और संसाधनों की कमी से जुड़ी 24 अक्टूबर, 2023 की एक मीडिया खबर पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई शुरू की तो ट्रिब्यूनल ने पाया कि प्रदूषण के खिलाफ लडने् वाली संस्थाएं सीपीसीबी और पीएससी भी कर्मियों के पदों की रिक्तियों और संसाधनों से जूझ रही हैं। क्लाइमेट एक्शन नेटवर्क साउथ एशिया के सीनियर एडवाइजर शैलेंद्र यशवंत ने पिछले साल अपनी इस रिपोर्ट में दिल्ली स्थित थिंकटैंक सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च का हवाला देते हुए दावा किया था कि देश में प्रदूषण नियंत्रण करने वाली संस्थाएं मसलन, राज्यों में एसपीसीबी और केंद्रशासित प्रदेशों में पीसीसी के पास कर्मियों की अपर्याप्त स्वीकृत शक्ति, विशेष रूप से तकनीकी पदों की संख्या, उचित प्रशिक्षण का अभाव, प्रदूषण निगरानी और निवारण उपकरणों की कमी, तकनीकी रूप से सक्षम नेतृत्व की अनुपस्थिति, लंबे समय तक प्रवर्तन तंत्र का अभाव, अपर्याप्त धन और प्रभावी खर्च जैसी समस्याएं बनी हुई हैं। कहा कि भारत में वायु प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में प्रदूषण नियंत्रण बोर्डस और समितियां केंद्र में हैं। दावा किया गया कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्डस खस्ताहाल हैं। इन सबके मद्देनजर मुद्दा यह है कि देश में प्रदूषण से कैसे निजात पाई जा सकती है। दरअसल, एनजीटी पिछले साल प्रदूषण के एक मामले की सुनवाई कर रहा था। इसी बीच 24 अक्टूबर, 2023 को जब यह मीडिया रिपोर्ट आई तो एनजीटी ने इस पर स्वतः संज्ञान लेकर मूल आवेदन संख्या 693/2023 में इसे शामिल करके कार्रवाई करते हुए सीपीसीबी और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को नोटिस देकर 23 नवम्बर, 2023 को मीडिया खबर पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए थे। एनजीटी के आदेशों के अनुपालन में सीपीसीबी की 23 नवम्बर, 2023 को रिपोर्ट मिली तो एनजीटी ने पाया कि मीडिया रिपोर्ट में सीपीसीबी और पीसीसी में अपर्याप्त कर्मियों और संसाधनों संबंधी दावे सही हैं।

रिपोर्ट में देखा गया कि कुल 28 राज्यों और 8 केंद्रशासित प्रदेशों में एसपीसीबी और पीसीसी के कर्मियों की स्थिति के ब्यौरे में 11, 969 स्वीकृत पदों के सापेक्ष 5, 877 पद ही भरे हुए हैं जबकि 6, 092 पद खाली पड़े हैं। हर साल सर्दियों में वायु प्रदूषण की दिक्कतों का सामना करने वाली दिल्ली पीसीसी में 344 पद स्वीकृत हैं, लेकिन 191 पद ही भरे हैं। उत्तर प्रदेश की एसपीसीसी में 732 स्वीकृत पद हैं, लेकिन 407 पद ही भरे हुए हैं। उत्तराखंड राज्य में 130 पदों की स्वीकृति के सापेक्ष सिर्फ 51 पद ही भरे हुए हैं। आंध्र प्रदेश में हालत बहुत गंभीर है, 289 स्वीकृत पदों के सापेक्ष सिर्फ 87 पद भरे हैं। बिहार में 249 स्वीकृत पदों के सापेक्ष 202 पद खाली हैं। मध्य प्रदेश में 1228 पदों में 459 पद ही भरे हुए हैं। गुजरात में 831 के सापेक्ष 894 भरे हुए हैं, और 334 खाली हैं। हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, केरल, कर्नाटक, झारखंड, ओडिशा में तो स्वीकृत स्ट्रेंथ से 50 प्रतिशत से भी अधिक पद खाली हैं। अन्य संसाधनों की बात करें तो देश में दो तरह की सेंट्रल और रिजनल एनवायरनमेंटल लैबोरेट्रीज की व्यवस्था हैं। रिपोर्ट्स में पाया गया कि देश की कुल 194 लैबोरेट्रीज में 31 सेंट्रल और 163 रिजनल लैबोरेट्रीज हैं। इन 194 लैबोरेट्रीज में से 41 लैबोरेट्रीज राष्ट्रीय परीक्षण और अंश शोध प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड के तहत एक्रेडेटिड और 12 लैबोरेट्रीज एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन एक्ट द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। यदि इनकी संख्या और बढ़ जाए तो प्रदूषण नियंत्रण को संबल मिलेगा। इन सब को देखते हुए एनजीटी ने अपने 23 नवम्बर, 2023 को जारी आदेशों में सीपीसीबी की केंद्रीय और रिजनल लैबोरेट्रीज के साथ सभी 28 राज्य और 8 केंद्रशासित प्रदेशों के पर्यावरण एवं वन विभागों को पक्षकार बनाया। इन्हें नोटिस जारी कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए। पूछा कि कर्मचारियों की स्वीकृत संख्या और पदों पर वर्तमान में नियुक्ति, प्रशासनिक, मंत्रालयी और तकनीकी कर्मचारियों का अनुपात, मौजूदा रेग्युलेटिंग और मॉनिटिरंग सुविधा, लैब स्ट्रैंथ इंफ्रास्ट्रक्चर, उपकरणों और हॉटस्पॉट की निगरानी से जुड़ी सुविधाएं क्या हैं। पिछले दो वित्त वर्षों 2020-21 और 2021-22 के बजट, आय के स्रेत और खर्च का ब्यौरा भी मांगा गया। सीपीसीबी के अलावा करीब 20 एससीपीसी और पीसीसी ने एनजीटी के आदेशों के अनुपालन में रिपोर्ट्स प्रस्तुत की और एनजीटी ने 2 फरवरी, 2024 को सुनवाई की। एनजीटी ने 12 अप्रैल, 2024 में अगली सुनवाई नियत की है। प्रदूषण नियंत्रण के दायित्व के लिए जिम्मेदार संस्थाएं मजबूत होंगी तो निश्चय ही देश में किसी भी तरह के प्रदूषण की समस्या पर नियंत्रण करना आसान होगा।

एक नजर

नव विवाहिता का शव मक्का के खेत से बरामद

पूर्वी चंपारण,एजेंसी। जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र के गायघाट पंचायत स्थित रामनगर गांव से गुरुवार की सुबह पुलिस ने मक्का के खेत से एक नव विवाहिता का शव बरामद किया है। इसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर नवीन कुमार ने बताया कि मृतका आरती देवी 20 वर्ष रामनगर गांव निवासी रामप्रवेश साह के पुत्र अनीश साह की पत्नी थी। घटना को लेकर प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है, कि ससुराल वालो ने मृतका की हत्या के बाद उसके शव को मक्का की खेत में छुपा रखा गया है,क्योंकि घटना के बाद उसके ससुराल के सभी सदस्य घर छोड़कर फरार है। थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को बरामद कर जांच उपरांत पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि मृतक का मायका कोटवा थाना क्षेत्र के कररिया फतेह टोला है। घटना की सूचना पर उसके मायके वाले को दे दिया गया है। परिजन द्वारा आवेदन अभी प्राप्त नही हुआ है। आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कारवाई की जाएगी। मृतका के परिजनो ने बताया कि आरती का विवाह दिसंबर 2023 में हुआ था।

शॉट सर्किट से घर में आग लगने से लाखों रुपये की संपत्ति जली

सहरसा। शहरी क्षेत्र के नया बाजार लवली आनंद पथ वार्ड 11 में बिजली के शॉट सर्किट से गुरुवार को एक घर में आग लगने से लाखों रुपये मूल्य के सामान जलकर स्वाहा हो गये। अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी सत्यनारायण सिंह ने बताया कि नया बाजार लवली आनंद पथ स्थित मनीष कुमार के घर गुरुवार दोपहर अचानक आग लग गयी। तत्काल स्थानीय लोगों द्वारा इसकी सूचना अग्निशमन कार्यालय को दी गयी। मौके पर एक बड़ी एवं एक छोटी अग्निशमन वाहन को कर्मियों के साथ घटनास्थल पर भेजा गया। जहां कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। उन्होंने बताया कि आस पडोस के घरों में कोई क्षति नहीं हुई। पीड़ित मनीष कुमार ने बताया कि आग लगने से 25 हज़ार नगद सहित करीब पांच लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। उन्होंने बताया कि आग लगने से एक दीवान पलंग, दो गोदरेज, टीवी, गीजर, ट्रंक में रखा समान, नगद 25 हजार, तीन भरी सोने का जेवर, कीमती साड़ी सिलिंग फेन, टेबल फेन, सहित अन्य समान जल गया।

बाइक सवार दो अपराधियों ने शिक्षिका से तीन लाख रुपए छीन हुए फरार

किशनगंज। शहर के करबला चौक के पास बाइक सवार बदमाशों ने गुरुवार को एक महिला से तीन लाख रुपये छीन लिया। महिला अपने पति के साथ स्कूटी पर थी। महिला मीनू कुमारी बहादुरगंज प्रखंड में शिक्षिका है। महिला अपने पति के साथ एसबीआई और अस्पताल रोड में बैंक ऑफ बड़ौदा से रुपया निकाल कर अपने मोतीबाग स्थित घर जा रही थी। तभी बाइक सवार दो युवक पीछे से स्कूटी सवार महिला को धक्का देकर महिला के हाथ से बैग छीन लिया। बैग में 3 लाख रुपये थे। दोनों बदमाश पल्सर बाइक से फरार हुआ। बैग छीनने के दौरान महिला स्कूटी से गिर गई। महिला को चोट भी लगी। जब तक पीड़ित महिला मीनू कुमारी व उनके पति कुछ समझ पाती तब तक दोनों बदमाश मौके से फरार हो चुका था। पीड़िता के पति शंभु कुमार राय ने दोनों बदमाशों का कुछ दूरी तक पीछा भी किया। बदमाशों का पीछा करने के दौरान वे स्कूटी से गिरकर दुर्घटना ग्रस्त हो गए। इस दौरान वे घायल भी हो गए। उन्हें इलाज के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां इलाज जारी है।

स्कूल का ताला तोड़कर मिड-डे मिल का चावल एवं बर्तन की चोरी

पूर्वी चंपारण। जिले के पताही प्रखंड के जिहुली पंचायत में जमुनी टोला स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में अज्ञात चोरों ने मिड डे मील के चावल एवं बर्तन पर हाथ साफ कर दिया। इसकी जानकारी गुरूवार को शिक्षको के विद्यालय पहुंचने के बाद हुई,तो इसकी सूचना पताही थाना पुलिस को दी गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस अग्रेतर कार्रवाई में जुटी है। वही इस सबंध में स्कूल प्रबंधन द्धारा बताया गया कि होली पर्व को लेकर विद्यालय बंद था। गुरुवार को सुबह वे लोग विद्यालय पहुंचे तो देखा कि अज्ञात चोरों ने भंडार कक्ष का ताला तोड़कर उसमें रखे लगभग 12 क्विंटल चावल के साथ भोजन बनाने वाले वाले बर्तन पर हाथ साफ कर दिया है। स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक धर्मेन्द्र कुमार झा ने बताया कि विद्यालय में रखे कुल 24 बोरा चावल एवं बर्तन गायब है।वही इस घटना के बाद ग्रामीणों के बीच चर्चाओं का बाजार गर्म है। लोगों ने कहा कि चोर अब शिक्षा के मंदिर को भी नही बख्श रहे है। वही जिहुली पंचायत के सरपंच रितेश कुमार ने चोरी की घटना कि जांच के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा से करने की मांग की है। उन्होने कहा कि 24 बोरा चावल चोरी करने जरूर किसी वाहन का प्रयोग किया गया होगा। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है।

विधायक बनने के एक साल बाद ही एमपी का चुनाव जीत गए थे पप्पू यादव

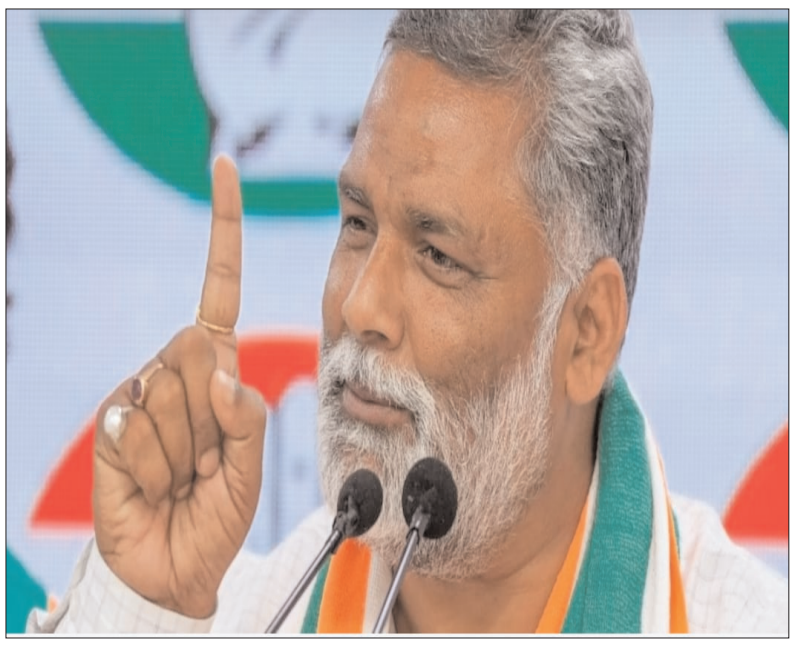

किशनगंज,एजेंसी। पूर्णिया 18वीं लोकसभा चुनाव में अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय करके जनअधिकार पार्टी लोकतांत्रिक के संस्थापक राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने जहां सबको चौंका दिया, वहीं पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र से ही चुनाव लड़ने की उनकी जिद्द ने कांग्रेस समेत पूरे महागठबंधन को पशोपेश में डाल दिया। 28 मार्च को लोकसभा चुनाव के नामांकन के पहले दिन तक पूर्णिया से लेकर दिल्ली तक पार्टी के नेता और कार्यकर्ता उनकी सीट को लेकर माथापच्ची करते रहे। पप्पू यादव को लेकर इतनी माथापच्ची क्यों हो रही है। इसके पीछे उनका इतिहास और वोटरों की नब्ज पकड़ने की उनकी कला की वजह से ही संभव है। सीट शेयरिंग की पेंच क्यों फंसी है अगर आपको यह समझना है तो आपको पहले राजेश रंजन का इतिहास जनना होगा।

गौर करे कि यादव वोटरों और गरीबों पर जबरदस्त पकड़ रखने वाले पप्पू यादव ने साल 1990 में भारतीय राजनीति में कदम रखा। 24 दिसंबर 1969 को बिहार के कुमारखंड के खुर्दाकरवेली गांव में एक जमींदार परिवार में जन्मे राजेश रंजन ने मधेपुरा के सिंहेश्वर से अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की और वहां से 34 साल पहले विधायक के रूप में अपना पहला चुनाव लड़ा। इसके ठीक एक साल बाद 1991 में हुए आम चुनाव में पप्पू यादव ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र से पर्चा भरा और वे जीत गए। उसके बाद से पप्पू यादव ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल करने के चार साल बाद और सिंहेश्वर सीट से विधायक के रूप में चुनाव जीतने के 5 साल बाद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव एक बार फिर से अपनी राजनैतिक पिच की सिंहेश्वर की ओर लौटे लेकिन विधायक और सांसद बनने के बीच गुजरे वक्त ने उनके लिए सिंहेश्वर में राजनीतिक समीकरण भी बदल दिया। 1995 में हुए विधानसभा चुनाव में सिंहेश्वर सीट से पप्पू यादव को हार का सामना करना पड़ा। विधायक कैंडिडेट के रूप में मिली हार के बाद पप्पू यादव एक बार फिर से पूर्णिया की ओर लौटे और उन्होंने साल 1996 में सपा ने उन्हें अपने प्रत्याशी के रूप में चुनावी मैदान में उतारा। इस चुनाव में उन्हें जीत हासिल हुए और वे दूसरी बार सांसद के रूप में दिल्ली पहुंचे। वर्ष 1999 में पप्पू यादव ने तीसरी बार लोकसभा चुनाव में नामांकन किया। इस बार एक बार फिर से उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनावी पर्चा दाखिल किया। इस चुनाव में वे तीसरी बार पूर्णिया सीट से लोकसभा के सदस्य चुने गए। इसके बाद साल 2004 में पप्पू यादव ने लालू प्रसाद यादव की लालटेन की लौ के सहारे राजनीति के गिलयारों में रास्ता तलाशने लगे। इस साल हुए आम चुनाव में उन्हें राजद ने मधेपुरा से टिकट दिया और वे चुनाव जीत गए। इसके ठीक 10 साल बाद साल 2014 में मोदी लहर के बावजूद पप्पू यादव ने न सिर्फ बीजेपी बल्कि मधेपुरा सीट से चार बार के सांसद रहे शरद यादव को 50 हजार वोटों के अंतर से हराया। 16वीं लोकसभा चुनाव में जदयू के कद्दावर नेता रहे शरद यादव को पटखनी देने के ठीक एक साल बाद ही राजद ने पार्टी की टिकट पर सांसद रहते पप्पू यादव को निष्कासित कर दिया। राजद ने उन्हें पार्टी विरोधि गतिविधियों के चलते दल से बाहर कर दिया लेकिन इसी साल पप्पू यादव को बेस्ट सांसद का अवार्ड मिला। राजद से निकाले जाने के बाद पप्पू यादव ने राजद और जदयू के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और अपनी पार्टी खड़ी की। पार्टी बनाने के बाद उन्होंने साल 2019 में मधेपुरा से अपनी ही पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा, मगर वे इस चुनाव में हार गए। उन्हें सिर्फ 8 फीसदी ही वोट प्राप्त हुए और उन्हें जदयू के दिनेश चंद्र यादव ने 17वीं लोकसभा चुनाव में हरा दिया।

लोकसभा चुनाव को लेकर जिलाधिकारी ने की प्रेस वार्ता

भागलपुर,एजेंसी। जिला निर्वाची पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉक्टर नवल किशोर चौधरी ने गुरुवार को समीक्षा भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर कई बिंदुओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर आज से नामांकन प्रारंभ हो गया है। यह नामांकन 4 अप्रैल तक चलेगा।

उन्होंने बताया कि भागलपुर में 2330678 मतदाता है और मतदान के लिए 2234 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जिसमें 6 सहायक मतदान केंद्र और 12 चलंत मतदान केंद्र बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि महिला वोटरों की संख्या में वृद्धि हुई है। जहां यह संख्या 888 थी। वह बढ़कर 920 हुई है। जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को शांति और सौहार्दपूर्ण संपन्न कराने को लेकर 262 सेक्टर बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन की पैनी नजर वैसे लोगों पर रहेगी जो मतदाताओं को वोट देने से रोकने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर नाका कैंप भी बनाया गया है। आचार संहिता के तहत पूरे क्षेत्र में 144 धारा लागू है। जिसको लेकर राजनेताओं के काफिले पर भी काफी पाबंदी है। वह 10 गाड़ियों से ज्यादा अपने काफिले में शामिल नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव से संबंधित सभी पदाधिकारी से विशेष बैठक कर एकजुट होकर यह चुनाव संपन्न कराने की बात हम लोगों ने कर ली है। उम्मीद है सब कुछ शांतिपूर्ण रहेगा। उन्होंने कहा कि जनता अपनी ताकत दिखाएं घर से निकले और मतदान करें तभी उनका हक उन्हें मिल पाएगा। वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार ने भी कहा कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसको लेकर हम लोगों ने लगातार छापेमारी का कार्य प्रारंभ किया है। अगर चुनाव के दौरान किसी तरह की आपत्तिजनक पोस्ट करने और कार्य में बांधा डालने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

निर्वाचन कार्य का प्रशिक्षण महत्वपूर्ण, इवीएम की रखें पूरी जानकारी : डीडीसी

पूर्वी चम्पारण,एजेंसी। जिला के 125 चयनित मास्टर ट्रेनरों को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम सौरभ जोरवाल के निर्देश के आलोक में डीडीसी समीर सौरभ एवं एडीएम मुकेश कुमार सिन्हा की उपस्थिति में प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन ने संयुक्त रूप से प्रशिक्षण दिया। इस दौरान मास्टर ट्रेनरों को संबोधित करते हुए डीडीसी सौरभ ने कहा कि निर्वाचन कार्य में प्रशिक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए आप लोग अच्छे से प्रशिक्षण प्राप्त करें और ईवीएम की पूर्ण जानकारी रखें।

मतदान के दिन मतदान केन्द्र पर भरे जाने वाले सभी तरह के प्रपत्रों की भी अच्छे से जानकारी प्राप्त करें। क्योंकि अब आगे से आप लोगों को ही पीठासीन पदाधिकारी सहित सभी मतदान पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देना है जो 1 अप्रैल से प्रारंभ होने जा रहा है।कहा कि ईवीएम संचालन की पूर्ण प्रक्रिया जैसे ईवीएम को वीवीपैट से जोड़ना, मॉकपोल कराना, ईवीएम का बैट्री बदलना, क्लोज बटन का उपयोग सहित ईवीएम प्रोटोकॉल की सभी जानकारी प्राप्त करें। मतदान के दिन मतदान केन्द्रों पर कई तरह के प्रपत्रों को भरना होता है, और इन प्रपत्रों को विहित लिफाफा में रखना होता है। कौन सा प्रपत्र किस रंग के लिफाफा में रख जायेगा इसकी जानकारी अच्छे से प्राप्त करना जरूरी है। उन्होने कहा कि मतपत्र लेखा, पीठासीन की डायरी तैयार करना, मॉकपोल का प्रमाण पत्र वोटिंग की समाप्ति पर क्लोज बटन संबंधी प्रमाण पत्र, मॉकपोल के बाद वीवी पैट से निकाली गयी पर्ची संबंधी प्रमाण पत्र जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य है। जिसके बारे में जानकारी होना जरूरी है।प्रशिक्षण से संबंधित हैण्डविल भी सभी को दिया गया। साथ ही प्रशिक्षण पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से भी दिया गया।

फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल बना दलालों का अड्डा

अररिया। फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल इन दिनों दलालों का अड्डा बना हुआ है। जहां कमीशन के चक्कर में आशाकर्मी से लेकर अस्पताल के सुरक्षाकर्मी बाहर दूर दराज क्षेत्र से ने वाले ग्रामीण मरीजों के परिजनों को बरगलाकर निजी अस्पताल की ओर उन्मुख कराते हैं। जिसका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो चार मिनट तेरह सेकेंड का है।जिसमे मरीज के साथ बैठे परिजन के पास एक आशा कर्मी और सुरक्षा में तैनात गार्ड मरीज और उसके परिजन को निजी अस्पताल में जाने की नसीहत देते हैं।अस्पताल के बारे में आशा और सुरक्षा में तैनात जवान के द्वारा बताया जाता है कि यह सरकारी अस्पताल है और यहां इमर्जेंसी पेशेंट को में देखा जाता है।आपलोग बाहर में जाकर निजी अस्पताल में इलाज कराने चले जाइए।जिसके बाद आशा के रूप में काम करने वाली महिला इस बीमार महिला और उसके परिजन को अपने साथ लेकर जाने लगती है।जिसके बाद वीडियो बनाने वाला वह युवक सुरक्षा गार्ड और आशा से उलझ जाता है और सरकारी अस्पताल से निजी अस्पताल में मरीज के ले जाने का विरोध करने लगता है जिसको लेकर वहां भीड़ जमा हो जाती है। वायरल वीडियो के संदर्भ में अस्पताल के मैनेजर और उपाधीक्षक को फोन किया गया तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। लेकिन वहीं मामले में सिविल सर्जन डॉ विधान चंद्र सिंह ने कहा कि मामले की जांच कराएंगे और किसी तरह की लिखित शिकायत आने पर उपरोक्त आशाकर्मी और सुरक्षा गार्ड के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल या अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज के साथ दवाईयां मुफ्त दी जाती है और अस्पताल में सुदृढ़ व्यवस्था है।संवाददाता ने सिविल सर्जन को अस्पताल से नवजात शिशुओं को प्राइवेट अस्पताल में एनआईसीयू वार्ड में भर्ती कराने के नाम पर भी बरगलाने और निजी अस्पताल संचालक द्वारा मोटा कमीशन आशा को दिए जाने की जानकारी दी तो उन्होंने इसे भी दिखलाने की बात कही।

स्थापना के 35 वर्षों के बाद मलाही को मिला पूर्ण थाने का दर्जा

पूर्वी चंपारण। जिले के मलाही ओपी थाना को स्थापना के 35 वर्ष बाद पूर्ण थाना का दर्जा मिल गया। अब क्षेत्र के लोगो को प्राथमिकी दर्ज कराने को लेकर गोविंदगंज व पहाड़पुर थाना का चक्कर नही लगाना पड़ेगा। अब सीधे मलाही में ही प्राथमिकी दर्ज होगी। मलाही ओपी का निर्माण 20 मार्च 1989 में उस समय किया गया था,जब मलाही से सटे गंडक दियारा में दस्युओं के आतंक कायम था और यह क्षेत्र बंदूकों कि गर्जन से गूंज रहा था और पूरा इलाका हत्या व अपहरण का केन्द्र बन चुका था।

गंडक तटीय मलाही जिले का एक प्रमुख व्यवसायी केन्द्र के रूप में जाना जाता है। जिसकी सीमा प चंपारण के साथ गंडक पार गोपालगंज से भी जुड़ती है। 90 के दशक में दस्यु गिरोहों के आतंक, हत्या और अपहरण की करतूतों से उपजी भयावह स्थिति को देखते हुए गोविंदगंज के तत्कालीन निर्दलीय विधायक स्व, योगेन्द्र पाण्डेय ने समाजसेवी व व्यवसायी स्व भूदेव प्रसाद गुप्ता के खपरैल मकान में वर्ष 1989 में ही मलाही थाना कि स्थापना करायी थी। बाद में भूदेव गुप्ता ने वर्ष 2004 थाना के लिए अपने खपरैल मकान सहित 12 कट्ठा छह धुर जमीन दान स्वरुप सरकार को रजिस्ट्री कर क्षेत्र में मिसाल कायम किया था। इस कार्य में समाजसेवी विजय गुप्ता तथा मोतीलाल गुप्ता का भी सराहनीय प्रयास रहा था। अरेराज प्रखण्ड के ममरखा, ममरखा भइया टोला, चटिया बड़हरवा,चटिया चिंतामनपुर, नगदाहा का पूर्ण पंचायत, मिश्रौलिया, पंचायत के सिरनी, और पुरंदरपुर गांव तथा मंगुराहा पंचायत कौवहां, दामोदरपुर गांव सहित पहाड़पुर प्रखण्ड के तेजपुरवा, मझरिया पंचायत का करीब 35 हजार लोगों का सुरक्षा व अपराध नियंत्रण का जिम्मा मलाही थाना को है। मलाही थाना को पूर्ण थाना का दर्जा प्राप्त होने पर क्षेत्र वासियों में हर्ष व्याप्त है।

बनमनखी में दिन दहाड़े सीएसपी संचालक से 4 लाख 71 हजार की लूट, कनपट्टी में मारी गोली

पूर्णिया,एजेंसी। पूर्णियां बनमनखी में सीएसपी संचालक से अपराधियों ने गुरुवार को कनपट्टी में गोली मारकर 4 लाख 71 हजार रुपये लूट लिये। अररिया जिला के भरगामा थाना क्षेत्र के चरैया वार्ड नम्बर-14 निवासी सीएसपी संचालक प्रकाश कुमार झा (60) एक अन्य युवक के साथ बनमनखी के सेंट्रल बैंक से 4 लाख 65 हजार रुपये की निकासी कर वापस मोटरसाइकिल पर घर जा रहा था । इसी बीच एक ग्लैमर बाइक पर सवार हथियारबंद तीन अपराधियों ने उन्हें मुन्ना चौक के समीप ओवरटेक करते हुए सामने से रोका और रुपये से भरे बैग को झापटने लगा, जिसपर सीएसपी संचालक प्रकाश कुमार झा ने विरोध जताया इतने में एक अपराधी ने उसपर गोली चला दी।

बताया जा रहा है कि गोली सीएसपी संचालक के बाएं कनपट्टी को चीरते हुए निकल गयी। इस बीच दो अपराधियों ने सीएसपी संचालक के कंधे में रखे रुपये से भरा बैग एवं पैकेज में रखे नगदी सहित कुल 4 लाख 71 हजार 110 रुपये लूटकर पिपरा नहर होते हुए फरार हो गये। सूचना पर पहुंची डायल 112 की टीम ने घायल सीएसपी संचालक प्रकाश कुमार झा को आनन फानन में अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया,जहां चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए पूर्णियां मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। प्रशिक्षु डीएसपी सह थाना अध्यक्ष सत्रुघ्न कुमार मंडल ने बताया कि सीएसपी एक संचालक के साथ मुन्ना चौक के समीप अज्ञात अपराधियों द्वारा लूटपाट की घटना को अंजाम दिया गया है। घटना स्थल पर पहुंच कर मामले की छानबीन शुरू कर दी गयी है। घायल सीएसपी संचालक को बेहतर उपचार हेतु पूर्णियां भेजा गया है। कितने राशि की लूट हुई है यह सीएसीपी संचालक के फर्द बयान एवं दस्तावेज के आधार पर किया जाएगा। पुलिस तमाम बिंदु पर जांच कर रही है।अपराधी जो भी हो उसे शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।

एक नजर

भारत से व्यापार को लेकर नीति में कोई बदलाव नहीं: पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि भारत के साथ व्यापारिक संबंधों को फिर से शुरू करने की उसकी कोई योजना नहीं है। भारत सरकार द्वारा 2019 में जम्मू-कश्मीर की विशेष स्थिति को समाप्त करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने के बाद से पड़ोसी देश से व्यापारिक संबंध न के बराबर हैं। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय की ओर से यह स्पष्टीकरण नए विदेश मंत्री इसहाक डार द्वारा लंदन में दिए उस बयान के कुछ दिन बाद आया है कि पाकिस्तान भारत के साथ व्यापार संबंधों को बहाल करने पर गंभीरता से विचार करेगा, जो अगस्त, 2019 से निलंबित हैं। भारत ने अगस्त, 2019 में जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निलंबित कर दिया और इसे केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया था। यहां साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच से भारत के साथ कारोबारी संबंध बहाली की संभावनाओं की खबरों संबंधी प्रश्न किया गया था। बलोच ने कहा, अगस्त, 2019 के बाद से पाकिस्तान-भारत व्यापार संबंध न के बराबर हैं। विदेश मंत्री डार ने 23 मार्च को लंदन में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान भारत के साथ व्यापार गतिविधियों को बहाल करने के लिए पाकिस्तान के व्यापारिक समुदाय की इच्छा के बारे में बताया था।

चीनी नागरिकों पर हमले के बाद चीन की एक और कंपनी ने पाकिस्तान में कामकाज बंद किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में एक जलविद्युत परियोजना पर आत्मघाती हमले में पांच चीनी नागरिकों के मारे जाने के दो दिन बाद चीन की एक कंपनी ने इसी अशांत प्रांत में एक अन्य जलविद्युत परियोजना में निर्माण कार्य रोक दिया और सैकड़ों श्रमिकों को काम से हटा दिया है। मीडिया में बृहस्पतिवार को आई खबरों में यह जानकारी दी गई। खैबर पख्तूनख्वा के बिशम इलाके में मंगलवार को विस्फोटक लदा एक वाहन एक बस से टकराया था जिससे उसमें सवार दासू जलविद्युत परियोजना में काम करने वाले पांच चीनी नागरिकों सहित छह व्यक्तियों की मौत हो गई। किसी आतंकी संगठन ने आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। डॉन अखबार ने सरकारी सूत्रों के हवाले से अपनी खबर में कहा कि चीनी कंपनी %पावर कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन ऑफ चीन% (पीसीसीसी) ने शांगला जिले में आत्मघाती हमले में चीनी नागरिकों की मौत के बाद प्रांत के स्वाबी जिले में तारबेला जलविद्युत विस्तार परियोजना में निर्माण संबंधी कार्यों को निलंबित कर दिया है। यहां 2,000 से अधिक श्रमिकों को काम से हटा दिया है। खबर के मुताबिक, कंपनी के परियोजना प्रबंधक ने एक आदेश जारी कर कार्य स्थगित किए जाने की घोषणा की और कहा कि सुरक्षा कारणों के चलते अगले आदेश तक सभी कर्मचारियों और श्रमिकों को हटाया गया है।

सेनेगल में राष्ट्रपति पद के चुनाव में दियोमाये फेय ने दर्ज की जीत

डैकर। सेनेगल विपक्षी गठबंधन डायोमाये प्रेसिडेंट के उम्मीदवार बस्सिरौ डायोमाये फे ने राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। सेनेगल के राष्ट्रीय मतगणना आयोग के अध्यक्ष अमाडी डियॉफ़ ने बुधवार को यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, श्री फेय ने कुल 2,434,751 वोट हासिल किए, जो कुल वोटों का 54.28 प्रतिशत है। मतदान प्रतिशत 61.30 प्रतिशत रहा। सत्तारूढ़ गठबंधन का प्रतिनिधित्व करने वाले उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी अमादौ बा 35.79 प्रतिशत वोटों के साथ पीछे रहे। श्री फेय (44) का जन्म डैकर से 115 किमी पूर्व में स्थित नदिआगनियाओ में हुआ था। उन्होंने डैकर में शेख अंता डिओप विश्वविद्यालय से कानून में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने 2004 में नेशनल स्कूल ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की और स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद कर निरीक्षक बन गए। उन्होंने सेनेगल फॉर वर्क, एथिक्स एंड फ्रेटरनिटी (पीएएसटीईएफ) पार्टी के अफ्रीकी पैट्रियट्स के महासचिव के रूप में कार्य किया, जिसे जुलाई 2023 में राष्ट्रपति के आदेश द्वारा भंग कर दिया गया था। श्री फेय को अप्रैल 2023 में कैद किया गया था और निवर्तमान राष्ट्रपति मैकी सॉल द्वारा माफी कानून लागू करने के बाद 14 मार्च को रिहा कर दिया गया था।

पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवादी इस्तेमाल कर रहे हैं अमेरिकी हथियार

रावलपिंडी,एजेंसी। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और अन्य आतंकवादी संगठन अमेरिका निर्मित हथियारों से पाकिस्तान के खिलाफ हमले कर रहे हैं। हाल के महीनों में आतंकवादी हमलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जिसके परिणामस्वरूप देश भर में आतंकवादी समूहों द्वारा नागरिकों के साथ-साथ सुरक्षा बलों को निशाना बनाए जाने के कारण कई लोगों की जान चली गई है।

'जियो न्यूज' की रिपोर्ट के मुताबिक, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और अन्य आतंकवादी संगठन अफगानिस्तान में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा छोड़े गए हथियारों सहित विदेशी हथियारों का पाकिस्तान पर हमले के लिए जमकर उयोग कर रहे हैं।'' पाकिस्तान ने एक बार फिर शिकायत की है कि अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की जल्दबाजी में वापसी के कारण आधुनिक हथियार आतंकवादियों के हाथों में पड़ गये हैं। सुरक्षा बलों द्वारा जब्त किए गए हथियारों से संकेत मिलता है कि आतंकवादी हाल के महीनों में पाकिस्तान के अंदर अपने हमलों में अमेरिका निर्मित हथियारों का उपयोग कर रहे हैं। सुरक्षा सूत्रों ने कहा है कि हाल के तुरबत हमले में शामिल आतंकवादी एम32 मल्टी-शॉट ग्रेनेड लॉन्चर और एम16ए4 असॉल्ट राइफल सहित अमेरिका निर्मित हथियारों से लैस थे। इस साल की शुरुआत में 27 जनवरी को उत्तरी वज़ीरिस्तान में नाइक मिनल्लाह नाम के आतंकवादी के पास से अमेरिका निर्मित हथियार भी बरामद किए गए थे। इससे पहले, सुरक्षा बलों ने 22 जनवरी को सांबाजा, झोब में आतंकवादी हमले के पीछे आतंकवादियों से इसी तरह के हथियार बरामद किए थे। सूत्रों ने बताया कि 19 जनवरी को पाक-अफगानिस्तान सीमा पर आतंकवादियों से जब्त किए गए हथियार भी विदेश निर्मित थे। सुरक्षा बलों ने पिछले साल 29 दिसंबर को मीर अली में आतंकियों के पास से गोला-बारूद के साथ एके-47 और एम4 कार्बाइन असॉल्ट राइफलें बरामद की थीं। इसी महीने, 12 दिसंबर को डेरा इस्माइल खान के दरबान इलाके में अपने हमले के दौरान आतंकवादियों ने नाइट विजन गॉगल्स और अमेरिका निर्मित असॉल्ट राइफलों का इस्तेमाल किया था।सीमा शुल्क और सुरक्षा अधिकारियों ने 13 दिसंबर को अफगानिस्तान से पाकिस्तान में प्रवेश करने वाली एक कार से आधुनिक अमेरिकी निर्मित हथियार बरामद किए, इसके बावजूद आतंकवादियों ने 15 दिसंबर को उन्नत अमेरिकी हथियारों का उपयोग करके टैंक में एक और हमला किया। इसके अलावा, आतंकवादियों ने क्रमश: छह सितंबर और चार नवंबर को चित्राल और मियांवाली एयरबेस में दो पाकिस्तानी चेकपोस्टों पर हमला करने के लिए अमेरिका निर्मित हथियारों का इस्तेमाल किया था। जुलाई 2023 में टीटीपी आतंकियों ने झोब गैरीसन पर भी हमला करने के लिए अमेरिका निर्मित हथियारों का इस्तेमाल किया था। यूरेशियन टाइम्स के अनुसार, प्रतिबंधित टीटीपी से जुड़े आतंकवादी अभी भी पाकिस्तान में हमले करने के लिए अमेरिका निर्मित हथियारों का उपयोग कर रहे हैं। पेंटागन ने स्वयं पुष्टि की है कि वाशिंगटन ने अफगान बलों को जो 427,300 हथियार उपलब्ध कराए थे, उनमें से लगभग 300,000 हथियार पीछे रह गए, जब उसकी सेना अगस्त 2021 में युद्धग्रस्त देश से हट गई।

जयशंकर की मलेशिया यात्रा ने उन्नत रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने का अवसर दिया: विदेश मंत्रालय

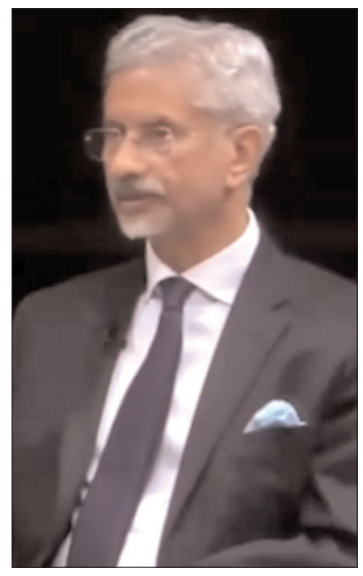

कुआलालंपुर। विदेश मंत्री एस जयशंकर की मलेशिया यात्रा और देश के शीर्ष नेताओं के साथ उनकी मुलाकात उन्नत द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराने का अवसर प्रदान करने वाली थी। बृहस्पतिवार को एक आधिकारिक बयान में यह बात कही गयी।

जयशंकर सिंगापुर, फिलीपीन और मलेशिया की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में 27 और 28 मार्च को कुआलालंपुर में थे। भारत के विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, उन्होंने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर बिन इब्राहिम से मुलाकात की और भारत-मलेशिया उन्नत रणनीतिक साझेदारी के तहत द्विपक्षीय संबंधों को और गहन करने में उनके समर्थन के लिए आभार जताया। इसमें कहा गया कि जयशंकर की मलेशिया यात्रा ने उन्नत रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने तथा मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराने का अवसर प्रदान किया।

आधिकारिक बरनामा समाचार एजेंसी के अनुसार, अनवर ने मलेशिया में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) का शाखा परिसर स्थापित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने चावल की कमी का सामना कर रहे मलेशिया की मदद के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा की और भारत से कृषि उत्पादों के सुगम आयात की उम्मीद जताई। अनवर ने आशा व्यक्त की, %%मलेशिया-भारत संबंध दोनों मित्रवत देशों के लोगों के फायदे के लिए फलते-फूलते रहें। जयशंकर ने मलेशिया के विदेश मंत्री मोहम्मद बिन हाजी हसन से भी मुलाकात की और राजनीतिक, व्यापार और अर्थव्यवस्था, रक्षा, डिजिटल, सांस्कृतिक तथा शिक्षा समेत द्विपक्षीय सहयोग पर व्यापक मंथन किया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों विदेश मंत्रियों ने क्षेत्रीय एवं वैश्विक हित के मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। जयशंकर ने डिजिटल मंत्री गोबिंद सिंह देव से भी मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मलेशिया आसियान में और भारत की एक्ट ईस्ट नीति में उसका प्रमुख साझेदार है।

बाल्टीमोर हादसे का प्रभाव क्षेत्र से परे पड़ने को लेकर चिंतित हैं अमेरिकी अधिकारी

न्यूयॉर्क। अमेरिकी अधिकारियों ने बाल्टीमोर में एक मालवाहक जहाज की टक्कर लगने से अमेरिका के एक प्रमुख पुल के ढह जाने के बाद क्षेत्र से परे पड़ने वाले इस हादसे के प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त की है। हालांकि विशेषज्ञों ने पूर्वानुमान व्यक्त किया है कि नतीजे मामूली और मुख्य रूप से स्थानीय रह सकते हैं। बाल्टीमोर में पटाप्सको नदी पर बना 2.6 किलोमीटर लंबा, चार लेन वाला फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज उस समय ढह गया, जब श्रीलंका जा रहा 984 फुट लंबा मालवाहक जहाज मंगलवार को तड़के पुल के एक खंभे से टकरा गया। पुल के गिरने से बाल्टीमोर बंदरगाह पर जहाजों की आवाजाही अनिश्चितकाल के लिए रुक गई है। अमेरिका के परिवहन मंत्री पीट बटीगीग ने बुधवार को व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, हम स्थानीय आर्थिक प्रभाव को लेकर चिंतित हैं और करीब 8,000 नौकरियां बंदरगाह की गतिविधियों से सीधे तौर पर जुड़ी हैं। उन्होंने कहा, हम इस क्षेत्र से परे पड़ने वाले प्रभावों को लेकर चिंतित हैं क्योंकि बंदरगाह की हमारी आपूर्ति शृंखला में भूमिका है।

गाजा में इजरायली बमबारी से 212 विद्यालय प्रभावित: संरा

संयुक्त राष्ट्र,एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के सहयोग से बुधवार को जारी किए गए विश्लेषण के अनुसार, इजरायल की ओर से गाजा में किए गए बमबारी के कारण एन्क्लेव के 212 विद्यालयों पर सीधा प्रभाव पड़ा है। उपग्रह चित्रों से पता चला है कि गत सात अक्टूबर को संघर्ष शुरू होने के बाद से कम से कम 53 स्कूल पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। साथ ही इस साल फरवरी के मध्य से स्कूल सुविधाओं पर हमलों में लगभग नौ प्रतिशत की वृद्धि हुई है। य बात संरा बाल कोष (यूनिसेफ), एजुकेशन क्लस्टर, और सेव द चिल्ड्रेन की रिपोर्ट में कही गयी है। रिपोर्ट के लेखकों ने कहा, स्कूल सुविधाओं पर हमलों की उच्च प्रवृत्ति ने गाजा में पहले से ही गंभीर मानवीय स्थिति को और खराब कर दिया है।गाजा पट्टी के अधिकांश हिस्सों में हवा, जमीन और समुद्र से तीव्र इजरायली बमबारी के बीच डेटा इंगित करता है कि दक्षिणी खान यूनिस गवर्नरेट में 62 स्कूल, मध्य क्षेत्र गवर्नरेट में 14, गाजा गवर्नरेट में 94, और उत्तरी गाजा गवर्नरेट में 42 स्कूलों को सीधे निशाना बनाया गया। यह आज तक का सबसे गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्र है, जिसमें 86.2 प्रतिशत स्कूल भवन क्षतिग्रस्त हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल अक्टूबर से फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संरा राहत एवं कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) द्वारा संचालित दो में से एक से अधिक स्कूल परिसरों को भी निशाना बनाया गया है। साथ ही सरकारी इमारतों को भी इजरायली गोलाबारी या जमीनी अभियान के दौरान निशाना बनाया गया है। यूएनआरडब्ल्यूए ने बुधवार को संरा की भागीदारी वाली रिपोर्ट के प्रकाशन पर कहा कि गाजा में लगभग छह महीने से शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से ठप है। उपग्रह इमेजरी और अन्य स्रोतों से पता चलता है कि संघर्ष शुरू होने के बाद से इजरायली सुरक्षा बलों द्वारा स्कूलों के सैन्य उपयोग किया जा रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि गत सात अक्टूबर के बाद से 320 से अधिक स्कूल भवनों का उपयोग विस्थापित व्यक्तियों द्वारा आश्रय के रूप में किया गया है। इन सुविधाओं में से, 188 पर सीधा प्रभाव पड़ा है या वे क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

दक्षिण लेबनान में इज़रायली हमलों में 9 की मौत, सात घायल

बेरूत। दक्षिणी लेबनान के कई कस्बों और गांवों को निशाना बनाकर किए गए इजरायल की ओर से किए गए हवाई हमलों में नौ लोग मारे गए और सात अन्य घायल हो गए। लेबनान के सैन्य सूत्रों ने चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ को बुधवार को यह जानकारी दी।थ सैन्य सूत्रों ने गुमनाम रूप से बात करते हुए कहा कि एक छापे में लेबनान के दक्षिण-पश्चिमी गांव टायर हर्फा में एक घर को निशाना बनाया गया, जिसमें दो हिजबुल्लाह लड़ाके और इस्लामिक हेल्थ अथॉरिटी के तीन सदस्य मारे गए और तीन नागरिक घायल हो गए।

इस्लामिक हेल्थ अथॉरिटी (हिज़्बुल्लाह से संबद्ध एक संगठन) की स्थापना 1984 में गृहयुद्ध और दक्षिणी लेबनान पर इज़रायली कब्जे के दौरान की गई थी। एक सार्वजनिक उपयोगिता के रूप में कार्य करते हुए यह प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करता है और पूरे देश में इसके केंद्र हैं। सूत्रों के अनुसार एक अन्य हमले में दक्षिण- पश्चिम लेबनान के नकौरा शहर में एक घर को निशाना बनाया गया, जिसमें अमल आंदोलन के एक सदस्य और अमल आंदोलन से संबद्ध इस्लामिक अल-रिसाला स्काउट एसोसिएशन के तीन सदस्यों की मौत हो गई और चार नागरिक घायल हो गए। इस बीच, हिजबुल्लाह ने कहा कि उसके लड़ाकों ने किर्यत शमोना बैरक में इज़रायल की 769वीं ब्रिगेड के मुख्यालय पर कई रॉकेटों दागने के साथ-साथ रुवैसत अल-आलम, ब्रानिट, मिसकाव अम और रमीम सहित कई अन्य इज़रायली साइटों पर हमला किया।

संरा महासचिव ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए शीर्ष एनडीएमए अधिकारी को विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किया

संयुक्त राष्ट्र। भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के एक शीर्ष अधिकारी को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए अपना विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किया है। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने दैनिक प्रेस वार्ता में बुधवार को कहा कि कमल किशोर (55) को आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनडीआरआर) में महासचिव का सहायक और विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है।

एनडीएमए में किशोर जिस पद पर हैं वह भारत सरकार के सचिव स्तर का है। वह यूएनडीआरआर में जापान की मामी मिज़ुतोरी का स्थान लेंगे। भारत के जी20 का अध्यक्ष रहने के दौरान किशोर ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर जी20 कार्य समूह का नेतृत्व किया था। उन्होंने 2019 में जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचा गठबंधन के विकास में भी योगदान दिया था। दुजारिक ने कहा कि किशोर के पास वैश्विक, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर आपदा जोखिम न्यूनीकरण, जलवायु कार्रवाई और सतत विकास में सरकार, संयुक्त राष्ट्र और नागरिक समाज संगठनों में काम करने का तीन दशकों का अनुभव है। एनडीएमए में शामिल होने से पहले, किशोर ने संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के लिए जिनेवा, दिल्ली और न्यूयॉर्क में लगभग 13 साल काम किया। किशोर ने थाईलैंड के बैंकॉक स्थित एशियाई प्रौद्योगिकी संस्थान से शहरी नियोजन, भूमि और आवास विकास में मास्टर ऑफ साइंस और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की से वास्तुकला में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों को दर्ज करने के लिए डेटाबेस की शुरुआत की

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों को दर्ज करने और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की प्रगति की निगरानी के लिए एक नये डेटाबेस की शुरुआत की है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की दूत रुचिरा कंबोज ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत इस मामले में जवाबदेही तय करने की पुरजोर वकालत कर रहा है। मंगलवार को डेटाबेस की शुरुआत की घोषणा भारत के नेतृत्व वाले ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स (जीओएफ) की एक उच्च-स्तरीय बैठक मं की गई।

कंबोज ने सोशल मीडिया मंच %एक्स% पर एक पोस्ट में कहा, शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों को दर्ज करने और अपराधियों को जवाबदेह ठहराने में प्रगति की निगरानी करने के लिए तैयार एक नए डेटाबेस की शुरुआत की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। भारत जवाबदेही की वकालत करने में सबसे आगे है और इस उद्देश्य के लिए ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स (जीओएफ) का नेतृत्व कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि डेटाबेस को ऑनलाइन तरीके से आंकड़े संरक्षित करने के रूप में कार्य करने के लिए तैयार किया गया है, जो सचिवालय, मिशन और सदस्य राज्यों को शांति सैनिकों के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण कृत्यों के मामलों की निगरानी और इनका समाधान करने के लिए सशक्त बनाता है। भारत द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता के दौरान जीओएफ को शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए 2022 में गठित किया गया था। भारत, बांग्लादेश, मिस्र, फ्रांस, मोरक्को और नेपाल जीओएफ के सह-अध्यक्ष हैं, जिसमें 40 सदस्य देश शामिल हैं।

भारत ने नेपाल के आग्रह पर बिजली व्यापार समझौते को दी तीन महीने की मंजूरी

काठमांडू। भारत ने नेपाल की तरफ से बिजली व्यापार समझौते को नवीनीकरण करने के लिए किए गए आग्रह पर तीन महीने की स्वीकृति दे दी है। नेपाल-भारत के बीच पांच साल के लिए हुए बिजली आयात समझौता के लिए हर वर्ष नवीनीकरण करना पड़ता है लेकिन इस बार भारत की तरफ से तीन महीने के लिए ही नवीनीकरण किया गया है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण के प्रवक्ता चन्दन घोष ने बताया कि आज ही भारत के एनर्जी एक्सचेंज बोर्ड की तरफ से प्राधिकरण को बताया गया कि तीन महीने के लिए बिजली आयात समझौते की स्वीकृति दे दी गई है। घोष ने यह भी कहा है कि अप्रैल से जून तक भारत की तरफ से नेपाल को 554 मेगावाट बिजली आयात करने की स्वीकृति दी गई है। 500 मेगावाट बिजली का ढल्केबर मुजफ्फरपुर प्रसारण लाइन से आयात किया जाएगा, जबकि बाकी 54 मेगावाट बिजली टनकपुर प्रसारण लाइन से आयात होगी। नेपाल-भारत के बीच पांच साल के लिए हुए बिजली आयात समझौता के लिए हर वर्ष नवीनीकरण करना पड़ता है लेकिन इस बार भारत की तरफ से तीन महीने के लिए ही नवीनीकरण किया गया है।

एक नजर

अलेक्जेंड्रोवा ने पेगुला पर जीत से उलटफेर करते हुए मियामी सेमीफाइनल में प्रवेश किया

फ्लोरिडा। नंबर 14 सीड एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट मियामी ओपन में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नंबर 5 सीड अमेरिकी जेसिका पेगुला को 3-6, 6-4, 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। 29 वर्षीय अलेक्जेंड्रोवा ने इस जीत के साथ अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ डब्ल्यूटीए 1000 प्रदर्शन की भी बराबरी की; उन्होंने इससे पहले 2022 में डब्ल्यूटीए 1000 मैड्रिड में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। शुरुआती सेट में अपनी पहली डिलीवरी के बाद पेगुला लगभग परफेक्ट थी, जहां उसने पहली सर्विस के 14 में से 13 अंक (92 प्रतिशत) जीते। हालांकि, डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, अलेक्जेंड्रोवा का पावर गेम दूसरे सेट में तेज हो गया, जहां उसके पास पेगुला के चार के मुकाबले 15 विनर्स थे। निर्णायक तीसरे सेट में, अलेक्जेंड्रोवा ने शुरुआती ब्रेक में डबल-फ़ॉल्ट किया, जिससे सेट 3-3 के गतिरोध पर आ गया। हालाँकि, 29 वर्षीय रूसी खिलाड़ी ने दो गेम बाद एक और मौका लिया, आक्रामक रिटर्न के साथ आगे बढ़ते हुए पेगुला की सर्विस ब्रेक की और 5-4 से बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने अपना दूसरा मैच प्वाइंट बदलकर वापसी की जीत पक्की कर ली। अंतिम चार में पहुंचने वाली आखिरी खिलाड़ी अलेक्जेंड्रोवा का सामना शुक्रवार को आखिरी बची अमेरिकी डेनिएल कोलिन्स से होगा। कोलिन्स दिन की शुरुआत में कैरोलिन गार्सिया पर सीधे सेटों में जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंची। इस स्तर पर अपने पहले फाइनल में पहुंचने के लिए उसे गुरुवार के सेमीफाइनल में नंबर 14 एलेक्जेंड्रोवा को हराना होगा।

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 मैच से बाहर हुईं सोफी डिवाइन

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन क्वाड इंजरी के कारण इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 मैच से बाहर हो गई हैं। डिवाइन को बुधवार को चौथे टी20 मैच के दौरान गेंदबाजी करते समय चोट लगी थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने गुरुवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि स्कैन से पुष्टि हुई है कि डिवाइन को ग्रेड वन क्वाड स्ट्रेन हुआ है जिसके लिए थोड़े समय के पुनर्वास की आवश्यकता होगी। वह वेलिंगटन में टीम के साथ रहेंगी, जहां पांचवां टी20 मैच खेला जाएग, और नर्वास कार्यक्रम से गुजरेंगी। 1 अप्रैल से शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में उनकी भागीदारी पर बाद में फैसला लिया जाएगा। जॉर्जिया प्लिमर, जो न्यूजीलैंड ए टीम के साथ थीं, को डिवाइन के प्रतिस्थापन के रूप में टीम में बुलाया गया है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा, हम स्पष्ट रूप से सोफी के लिए निराश हैं, लेकिन अब ध्यान उसे यथासंभव एकदिवसीय श्रृंखला के लिए उपलब्ध कराने पर है। अगले कुछ दिनों तक सोफी पर नज़र रखी जाएगी और इससे हमें बेहतर अंदाज़ा मिलेगा कि सोमवार को पहले गेम से पहले उसकी उपलब्धता क्या है। एकदिवसीय श्रृंखला हमारे लिए एक महत्वपूर्ण श्रृंखला है, जिसमें आईसीसी एकदिवसीय चैम्पियनशिप अंक दांव पर हैं, इसलिए हमें उम्मीद है कि सोफी जल्दी ठीक हो जाएंगी। न्यूजीलैंड बेहद चाहेगा कि जब एकदिवसीय मैच शुरू हो तो डिवाइन को टीम में शामिल किया जाए, क्योंकि टीम ने एक मैच बाकी रहते टी20 सीरीज अपने नाम कर ली है। डिवाइन अब तक श्रृंखला में न्यूजीलैंड के लिए बेहतर प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों में से एक रही हैं, उन्होंने दो पारियों में 150.98 की स्ट्राइक रेट से 77 रन बनाए और चार विकेट लिए।

मेदवेदेव ने जैरी को हराया, मियामी में सिनर से सेमीफाइनल में टक्कर

फ्लोरिडा। दानिल मेदवेदेव ने चिली के निकोलस जैरी के दूसरे सेट के संघर्ष पर काबू पाते हुए 6-2, 7-6(7) से जीत दर्ज की और मियामी ओपन के सेमीफाइनल में जानिक सिनर से भिड़ेंगे जो ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल का रीमैच होगा। मेदवेदेव ने पहले सेट में जैरी के14 के मुकाबले केवल तीन अप्रत्याशित गलतियां कीं, इससे पहले कि जैरी ने मैच में वापसी की और एक रोलरकोस्टर टाई-ब्रेक में दूसरा सेट चुराने के दो अंक के भीतर आ गए। एटीपी की रिपोर्ट के अनुसार, लेकिन मेदवेदेव ने हार्ड रॉक स्टेडियम में अपनी जीत का सिलसिला नौ मैचों तक बढ़ाने का साहस दिखाया और अपने करियर में पहली बार खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने से दो जीत दूर रह गए हैं। यदि जैरी मेदवेदेव को हराते तो वह शीर्ष 20 में लौट आते और 2004 में फर्नांडो गोंजालेज के बाद मियामी के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले चिलीवासी बन जाते। इससे पहले दिन में, सिनर ने वर्ष के अपने चौथे सेमीफाइनल में प्रवेश किया और मियामी ओपन में सीजन की अग्रणी 20वीं मैच जीत हासिल की। इटालियन खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेक खिलाड़ी टॉमस मचाक को 91 मिनट में 6-4, 6-2 से हरा दिया। सिनर, जो दो बार मियामी (2021, 2023) में फाइनल में पहुंच चुके हैं, तीसरी बार अंतिम चार में पहुंचे हैं। अपने दूसरे एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब का लक्ष्य रखते हुए, एटीपी रैंकिंग में नंबर 3 खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन और रोटरडम में खिताब के साथ 20-1 सीज़न रिकॉर्ड कर लिया है।

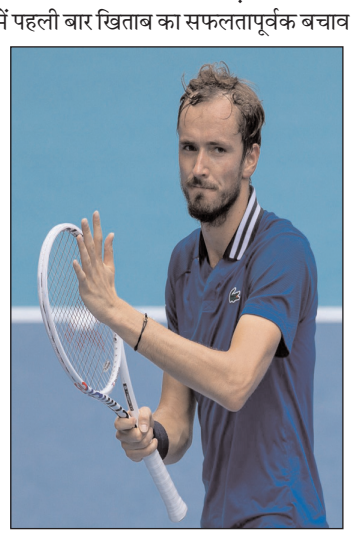

राजस्थान रॉयल्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 12 रन से हराया

जयपुर,एजेंसी। रियान पराग की 45 गेंदों में नाबाद 84 रनों की विस्फोटक पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के नौवें मैच में राजस्थान रॉयल्स ने दिल्ली कैपिटल को 12 रन से हरा दिया है। 186 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स के डेविड वॉर्नर और मिचेल मार्श की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट लिये 30 रन जोड़े। तीसरे ओवर में बर्गर ने मिचेल मार्श को बोल्ड कर दिल्ली को पहला झटका दिया। बर्गर ने 12 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 23 रन बनाये। इसके बाद रिकी भुई बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गये। कप्तान ऋषभ पंत ने 26 गेंदों में दो चौके और एक छक्के की मदद से 28 रनों की पारी खेली। अभिषेक पोरेल नौ रन बनाकर आउट हुये। ट्रिस्टन स्टब्स 23 गेंदों में नाबाद 44 रनों की पारी के बावजूद अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। अक्षर पटेल 15 रन बनाकर नाबाद रहे। दिल्ली कैपिटल्स निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 173 रन ही बना सकी और मुकाबला 12 रनों से हार गई।

राजस्थान रॉयल्स की ओर से नांद्रे बर्गर और युजवेंद्र चहल ने दो- दो विकेट लिये। आवेश खान ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले रियान पराग की 45 गेंदों में नाबाद 84 रनों की विस्फोटक पारी के दम पर राजस्थान रॉयल्स ने दिल्ली कैपिटल्स को जीत के लिए 186 रनों का लक्ष्य दिया है। आज यहां सवाई मानसिंह स?टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल पांच रन का विकेट खो दिया। उसके बाद कप्तान संजू सैमसन भी 15 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। जॉस बटलर 11 रन बनाकर आउट हुये। राजस्थान की लड़खड़ा रही पारी को अश्विन और पराग ने संभाला और अश्विन के आउट होने के बाद जिरेल ने भी पराग का साथ देते हुए अर्धशतकीय साझेदारी की। रवि अश्विन 29 रन और ध्रुव जुरेल 20 रन बनाकर आउट हुये। रियान पराग ने टीम के लिये 45 गेंदों में सात चौके और छह छक्को की मदद से नाबाद 84 रनों की पारी खेली। शिमरॉन हेटमायर सात गेंदों में 14 रन बनाकर नाबाद रहे। पराग ने आखिरी ओवर में चौकों छक्कों की बारिश करते हुए 25 रन ठोक डाले जिसकी बदौलत राजस्थान की टीम निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 185 रन का स्कोर खड़ा किया। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खलील अहमद, मुकेश कुमार, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और एनरिच नॉर्टे ने एक-एक विकेट लिया।

जीत की लय बरकरार रखने उतरेंगे आरसीबी और केकेआर

बेंगलुरू। पिछले मैच में मिली जीत से उनका हौसला बढा है लेकिन प्रदर्शन में परिपक्वता लाना बाकी है और शुक्रवार को आईपीएल 2024 के मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर तथा कोलकाता नाइट राइडर्स अपेक्षा के अनुरूप खेल दिखाने के इरादे से उतरेंगी। आरसीबी ने पिछले मैच में पंजाब किंग्स को चार विकेट से हराया जबकि केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद को चार रन से मात दी। इसके बावजूद दोनों टीमों की शीर्ष और मध्यक्रम की बल्लेबाजी की समस्यायें बनी हुई हैं। पंजाब के खिलाफ 177 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के अर्धशतक से आरसीबी खेमे ने राहत की सांस ली होगी।

कप्तान फाफ डु प्लेसी, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरन ग्रीन और रजत पाटीदार से अभी अच्छी पारी की उम्मीद है। पंजाब के खिलाफ आखिरी क्षणों में दिनेश कार्तिक का अनुभव और 'इंपैक्ट खिलाड़ी' महिपाल लोमरोर की उपयोगी पारी उनके काम आई। केकेआर के पास अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है और एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन करने पर वे आरसीबी के बल्लेबाजों की परेशानी का सबब बन सकते हैं। आरसीबी के लिये तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और यश दयाल ने पंजाब के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की लेकिन बाकी गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। तेज गेंदबाज अलजारी जोसेफ ने पहले मैच में 38 रन दिये और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला जबकि दूसरे मैच में 43 रन देकर एक विकेट लिया। ऐसे में आरसीबी खेमा इंग्लैंड के बायें हाथ के तेज गेंदबाज रीसे टॉपली को उतार सकता है। केकेआर के पास शीर्ष और मध्यक्रम में कप्तान श्रेयस अय्यर, वेंकटेश अय्यर, सुनील नारायण और नीतिश राणा हैं जो ईडन गार्डंस पर सनराइजर्स के खिलाफ चल नहीं सके। इंपैक्ट खिलाड़ी रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल छठे, सातवें और आठवें नंबर पर उतरकर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचा पाये। श्रेयस ने दो गेंद खेली और खाता भी नहीं खोल सके। वैसे चिन्नास्वामी स्टेडियम पर पिछली दो पारियों में प्रदर्शन अच्छा रहने से उनका मनोबल बढेगा। पिछले साल विश्व कप में यहां नीदरलैंड के खिलाफ उन्होंने नाबाद 128 और दिसंबर में आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टी20 में 53 रन बनाये थे। गेंदबाजी में नदीम ने 19 रन देकर एक विकेट लिया लेकिन महंगे खरीदे गए मिचेल स्टार्क और वरूण चक्रवर्ती प्रभावित नहीं कर सके हैं।

टीमें

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: फाफ डु प्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशाक, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, रीस टॉपले, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरून ग्रीन, अल्जारी जोसफ, यश दयाल, टॉम करन, लॉकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान।

कोलकाता नाइट राइडर्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), नीतिश राणा, मनीष पांडे, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, शाकिब अल हसन, अनुकूल रॉय, वेंकटेश अय्यर, शेरफाने रदरफोर्ड, अंगकृष रघुवंशी, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, केएस भरत, फिल साल्ट, रहमानुल्लाह गुरबाज, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, दुष्मंता चामीरा, वरूण चक्रवर्ती, मिचेल स्टार्क, मुजीब उर रहमान, हर्षित राणा, सुयश शर्मा। मैच का समय=शाम 7 . 30 से।

वार्नर, मार्श ने ऑस्ट्रेलिया के लिए ओपनिंग की है- गांगुली

जयपुर। दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) द्वारा आईपीएल 2024 में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ पहले मैच में सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को दरकिनार करते हुए डेविड वार्नर और मिशेल मार्श के ऑल-ऑस्ट्रेलियाई ओपनिंग संयोजन को चुनने के पीछे के तर्क पर प्रकाश डाला।

मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ सीज़न के पहले मैच में मार्श ने वार्नर के साथ शीर्ष पर साझेदारी की, जिससे भौंहें तन गईं, क्योंकि कई लोग दिसंबर में मिनी-नीलामी से पहले टीम में बने रहने के बावजूद पृथ्वी शॉ को बाहर किए जाने से आश्चर्यचकित थे। गांगुली ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ डीसी के मैच से पहले संवाददाताओं से कहा, पृथ्वी शॉ एक सलामी बल्लेबाज हैं। हमने मार्श और वार्नर के साथ ओपनिंग करने का फैसला किया है और रिकी भुई मध्य क्रम के बल्लेबाज हैं। इसलिए, वे अलग-अलग स्थानों पर बल्लेबाजी करते हैं। इसलिए यह वास्तव में निश्चित रूप से भुई नहीं है। यह एक अलग ओपनिंग संयोजन है, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए ओपनिंग की है और उन्होंने मिलकर अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए, हमने ऐसा करने का फैसला किया। पंजाब किंग्स के खिलाफ वॉर्नर और मार्श की तेज शुरुआत की सफलता के बावजूद, दिल्ली कैपिटल्स को पारी के बाद के चरणों में गति बनाए रखने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा, और अंततः 174 का मामूली स्कोर बनाया। गांगुली ने प्री-सीज़न तैयारियों में शॉ की सीमित भागीदारी के बारे में चिंताओं को भी संबोधित किया, उनकी अनुपस्थिति को चोट के कारण असफलताओं और मुंबई के रणजी ट्रॉफी अभियान के प्रति प्रतिबद्धताओं के लिए जिम्मेदार ठहराया। चोट के कारण काउंटी चैम्पियनशिप में शॉ के कम समय के कार्यकाल को स्वीकार करते हुए, गांगुली ने खिलाड़ियों की फिटनेस और पूर्व प्रतिबद्धताओं के महत्व पर जोर दिया, जिससे प्री-सीजन प्रशिक्षण शिविरों के लिए उनकी उपलब्धता प्रभावित हुई। ईमानदारी से कहूं तो, हमें शिविर में पृथ्वी शॉ के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिली। दुर्भाग्य से, वह लंबे समय तक घायल रहे। इसके बाद वह नॉर्थम्पटनशायर में काउंटी के लिए इंग्लैंड गए, जहां उन्होंने असाधारण रूप से अच्छा खेला और उनके घुटने के लिगामेंट में चोट लग गई। फरवरी तक हम उन्हें नहीं पा सके। फिटनेस में वापस आने के बाद उन्होंने रणजी ट्रॉफी खेली। मुझे याद है कि हमने उनके साथ चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर लगाया था, लेकिन फिर, एनसीए ने उन्हें फिट घोषित कर दिया और फिर वह रणजी ट्रॉफी खेलने चले गए। आप किसी को भी रणजी ट्रॉफी से हटाकर आईपीएल शिविर में नहीं डाल सकते और फिर मुंबई ने टूर्नामेंट जीत लिया। वह टूर्नामेंट के आखिरी दिन तक खेले। वह 14 तारीख तक खेले और फिर कैंप में शामिल हो गए। गांगुली ने कहा, तो ईमानदारी से कहूं तो मुझे पृथ्वी नहीं मिला। लेकिन, कई अन्य लोग मिले, खलील, अभिषेक पोरेल, रिकी भुई, कुमार कुशाग्र, इशांत शर्मा, हमने कुछ समय के लिए एक साथ काम किया।

गिलेस्पी ने साउथ ऑस्ट्रेलिया और एडिलेड स्ट्राइकर्स के मुख्य कोच पद से दिया इस्तीफा

एडिलेड,एजेंसी। जेसन गिलेस्पी ने गुरुवार को साउथ ऑस्ट्रेलिया और एडिलेड स्ट्राइकर्स के मुख्य कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। यह अपडेट साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए निराशाजनक सीज़न के अंत में आया, जो छह-टीम शेफ़ील्ड शील्ड तालिका में पांचवें स्थान पर रहा।

हालाँकि, स्ट्राइकर्स ने पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ नॉकआउट जीतकर बीबीएल प्लेऑफ़ में जगह बनाई, लेकिन अंतिम चैंपियन ब्रिस्बेन हीट से हार गया। एसोसिएशन ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि वह नौ साल के कार्यकाल के बाद जून के अंत में साउथ ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट एसोसिएशन (एसएसीए) के साथ अपनी भूमिका समाप्त कर देंगे।

गिलेस्पी ने बिग बैश लीग (बीबीएल) 2015-16 सीज़न से पहले स्ट्राइकर्स के मुख्य कोच के रूप में पदभार संभाला, उन्होंने नौ सीज़न तक टीम का नेतृत्व किया। इस दौरान टीम ने बीबीएल 7 का खिताब जीता और कई बार फाइनल में जगह बनाई। इसके बाद वह 2020/21 की गर्मियों से पहले पूर्णकालिक रूप से साउथ ऑस्ट्रेलिया लौट आए, और कई प्रमुख दिग्गजों की सेवानिवृत्ति के कारण हुए बदलाव के समय में रेडबैक की बागडोर संभाली। गिलेस्पी ने एक बयान में कहा, हमने एसएसीए में एक साथ मिलकर जो हासिल किया उस पर मुझे अविश्वसनीय रूप से गर्व है और मैं उन यादों को हमेशा संजोकर रखूंगा। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि साउथ ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का भविष्य उज्ज्वल है।

मैं स्ट्राइकर्स और रेडबैक्स के साथ मेरे कार्यकाल के दौरान उनके समर्थन के लिए सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं, यह एक सच्चा टीम प्रयास रहा है। अपने गृह राज्य में खेलने और कोचिंग करने में सक्षम होना एक अद्भुत अनुभव रहा है, जिसे हासिल करके मैं सम्मानित महसूस करता हूं। उन्होंने कहा, आगे देखते हुए, मैं खेल में नए अवसर तलाशने और अपने करियर के अगले अध्याय को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित हूं। एसएसीए अध्यक्ष विल रेनर ने गिलेस्पी द्वारा साउथ ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में दिए गए स्थायी योगदान को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, एक खिलाड़ी और कोच दोनों के रूप में, जेसन ने हमेशा जुनून और सकारात्मकता के साथ साउथ ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने लंबे समय तक साउथ ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के प्रति जो समर्पण दिखाया है, उसके लिए हम बेहद आभारी हैं। वह मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह एक सच्चे लीडर रहे हैं और हम भविष्य में उनकी सफलता की कामना करते हैं। उन्हें हमेशा साउथ ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के दिग्गजों में से एक माना जाएगा।

क्वेना मफाका के लिए बुरा सपना बना आईपीएल डेब्यू

हैदराबाद। डेब्यू मैच में हर खिलाड़ी की कोशिश यही रहती है कि उसके लिए ये दिन यादगार रहे। हालांकि, हर खिलाड़ी का ये सपना पूरा नहीं होता। आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस और हैदराबाद के बीच एक हाई स्कोरिंग मुकाबला खेला गया। जहां टीमों की ओर से रनों का अंबार लगा। इस रोमांचक मुकाबले एक अंडर-19 कैरेबियन स्टार क्वेना मफाका का आईपीएल डेब्यू भी हुआ। हालांकि, ये खिलाड़ी बुरी तरह फ्लॉप रहा। मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने ल्यूक वुड की जगह क्वेना मफाका को प्लेइंग-11 में शामिल किया, जो 17 साल की उम्र में टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में से एक थे। दक्षिण अफ्रीका के लिए अंडर-19 क्रिकेट के स्टार और साल की शुरुआत में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब हासिल करने वाले मफाका के लिए आईपीएल डेब्यू अच्छा नहीं रहा। हैदराबाद के बल्लेबाजों ने उन्हें खूब टारगेट किया और उनके आईपीएल करियर के पहले मैच में उनके चार ओवर के स्पैल में 66 रन बटोरे। ये आंकड़ा विदेशी गेंदबाजों के सबसे खराब स्पैल में गिना जाएगा। लेकिन मुंबई के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड और ब्रावो ने एसआरएच के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बावजूद युवा खिलाड़ी का समर्थन किया। ब्रावो ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर लिखा, अपना सिर ऊपर रखो चैंपियन! क्वेना मफाका मुझे यकीन है कि आप कमबैक करेंगे और इस एकतरफा खेल के कारण अपने आप पर संदेह न करें, यह आपके लिए एक बड़ी चुनौती है और आप टूर्नामेंट के दौरान बेहतर होते जाएंगे! पोलार्ड ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, इस चीज से आगे बढ़ो चैंप, आपको अभी बहुत कुछ हासिल करना है। मुझे यकीन है कि आपके परिवार, दोस्तों को आप पर बहुत गर्व है।

पैट कमिंस ने घरेलू फैंस का जताया आभार

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मेजबान टीम की 31 रन से जीत के बाद रोमांचक मुकाबले में विजय हासिल करने पर उत्साह व्यक्त किया और इस मैच में जीत के लिए घरेलू फैंस का आभार जताया। कमिंस ने बुधवार को खेले गए मुकाबले में चल रहे टूर्नामेंट का सबसे तेज अर्धशतक बनाने के लिए युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की सराहना की। 3 विकेट पर 277 रन का रिकॉर्ड तोड़ स्कोर बनाकर सनराइजर्स ने अपने धमाकेदार बल्लेबाजी प्रदर्शन से क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया।

ट्रैविस हेड ने 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा करके आक्रामक शुरुआत की और अंत में 62 रन बनाए, जिसके बाद अभिषेक शर्मा ने 16 गेंदों में अर्धशतक बनाकर कुछ ही मिनटों में फ्रेंचाइजी के लिए सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। दोनों की विस्फोटक साझेदारी, जिसमें हेनरिक क्लासेन की 34 गेंदों में नाबाद 80 रन की पारी शामिल थी, ने हैदराबाद को 277-3 तक पहुंचा दिया। ये स्कोर आईपीएल के इतिहास में किसी भी टीम का सबसे बड़ा टोटल था। इससे पहले आरसीबी ने 2013 में 263-5 का स्कोर बनाया था। कमिंस ने खेल के प्रति अभिषेक के निडर दृष्टिकोण की सराहना की और कहा, यह उन मैचों में से एक है, जहां हर कोई खतरनाक था।

अभिषेक को देखकर ऐसा लगा जैसे वे जब चाहें बड़े शॉट खेल सकते हैं। आईपीएल में, हमने हजारों फैंस की भीड़ के सामने खेला है और अभिषेक को फ्रीडम के साथ खेलते हुए देखना अच्छा था। हम बड़े टोटल के लिए नहीं, बस आक्रामक खेलना चाहते थे। जहां सनराइजर्स हैदराबाद की जबरदस्त बल्लेबाजी ने सुर्खियां बटोरीं, वहीं मुंबई इंडियंस ने कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए दृढ़ संकल्प दिखाया। रोहित शर्मा ने फ्रैंचाइज़ी के लिए अपने 200वें मैच में बेहतरीन स्ट्रोक्स लगाए, जबकि ईशान किशन और तिलक वर्मा ने मुंबई की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए महत्वपूर्ण पारी खेली। 14 ओवर में तीन विकेट पर 182 रन तक पहुंचने के बावजूद, एमआई ने खुद को प्रेशर में पाया। अंत में टिम डेविड के साहसिक प्रयास सराहनीय थे लेकिन यह उनकी टीम के लिए मैच बचाने के लिए पर्याप्त नहीं था। कमिंस ने कहा, जाहिर तौर पर यह एक अच्छा विकेट है। सीजन का पहला घरेलू मैच है। भीड़ बहुत ज्यादा थी और यह अद्भुत था।

एक नजर

बेंगलुरु विस्फोट मामले में बरेली में एनआईए ने की पूछताछ

बरेली,एजेंसी। बेंगलुरु में राजाजीनगर स्थित रामेश्वरम कैफे में पिछली एक मार्च को हुये विस्फोट की जांच के सिलसिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बरेली के एक शख्स से लंबी पूछताछ की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बरेली घुले सुशील चन्द्रभान ने गुरुवार को बताया कि एनआईए टीम लखनऊ से बरेली आई थी और धौराटांडा के एक शख्स से पूछताछ के लिए पुलिस की मदद मांगी थी। टीम ने भोजीपुरा थाने में अलग जगह बैठाकर उससे पूछताछ की और फिर लौट गई। किस सिलसिले में पूछताछ की गई यह बात स्थानीय पुलिस को नहीं बताया। वहीं विश्वस्त सूत्रों के अनुसार एनआईए लखनऊ की टीम स्थानीय पुलिस और नायब तहसीलदार (मजिस्ट्रेट) साथ लेकर मौलाना मोहम्मद उमैर के घर पहुंची। घर पर नहीं मिलने पर उसके पिता शोएब को लेकर टीम एक धार्मिक स्थल गई। वहां से मौलाना को हिरासत में लेकर थाने लाया गया। प्रभारी निरीक्षक कक्ष में मौलाना से पूछताछ हुई। थाना पुलिस मुताबिक मौलाना बेंगलुरु में एक धार्मिक स्थल में रहता था। धमाके के तुरंत बाद वह बरेली आ गया। उन्होने बताया कि एनआईए टीम ने जांच में मौलाना की भूमिका संदिग्ध पाई गई। मौलाना के विदेश जाने की सूचना पर शक और गहरा गया। इसके बाद एनआईए लखनऊ यूनिट को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इंस्पेक्टर जगत सिंह ने बताया कि करीब नौ घंटे की पूछताछ के बाद मौलाना को घर भेज दिया गया है। एनआईए टीम के एक सदस्य ने अपना नाम न बताते हुए जानकारी दी कि मौलाना उमैर का मोबाइल और पासपोर्ट जब्त कर लिया गया है। जिससे विदेश यात्रा पर ना जा सके। मौलाना को हिदायत दे दी गई है कि जरूरत पड़ने पर उन्हें बुलाया जाए तो वह तत्काल पहुंचे।

होण्डा ने घरेलू बाजार में बेचे 6 करोड़ दोपहिया वाहन

नई दिल्ली,एजेंसी। दोपहिया वाहन निर्माता होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने भारतीय परिचालन शुरू करने से लेकर अब तक 6 करोड़ दोपहिया वाहन घरेलू बाजार में बेचने की आज घोषणा की। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि होण्डा ने 2001 में अपने पहले दोपहिया वाहन एक्टिवा के साथ भारतीय बाज़ार में प्रवेश किया और इसके बाद कंपनी द्वारा रचा गया इतिहास सबके सामने है। पिछले सालों के दौरान कंपनी ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं और भारत के सबसे पसंदीदा दोपहिया ब्रांडो में से एक रूप में अपनी स्थिति को बनाए रखे हुए है। अपनी शुरूआत के बाद से एचएमएसआई इनोवेशन, गुणवत्ता एवं उपभोक्ताओं को संतोषजनक सेवाएं प्रदान करने में अग्रणी रही है और भारतीय उपभोक्ताओं की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए विश्वस्तरीय प्रोडक्ट्स की व्यापक रेंज लाती रही है। जून 2001 में अपना संचालन शुरू करने के बाद से होण्डा ने पिछले दो दशकों के दौरान भारतीय उपभोक्ताओं को संतोषजनक सेवाएं प्रदान की हैं। कंपनी को पहले 1 करोड़ उपभोक्ताओं तक पहुंचने में ग्यारह साल का समय लगा, इसके बाद यह गति तीन गुना हो गई और अगले तीन सालों में कंपनी 2 करोड़ के आंकड़े तक पहुंच गई। अपनी शुरूआत के तकरीबन 16 सालों में, अप्रैल 2017 में कंपनी ने 3 करोड़ के आंकड़े को छू लिया। लेकिन अगले 3 करोड़ उपभोक्ता मात्र सात सालों में होण्डा के परिवार में शामिल हो गए और इस तरह तीव्र गति के साथ होण्डा मार्च 2024 में 6 करोड़ के ऐतिहासिक आंकड़े तक पहुंच गई। इस उपलब्धि पर कंपनी के अध्यक्ष , एमडी एवं सीईओ सुत्सुमु ओतानी, ने कहा, ''हमें यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि एचएमएसआई अब 6 करोड़ से अधिक खुशहाल उपभोक्ताओं के परिवार का हिस्सा बन चुकी है। इस उपलब्धि को हासिल करना ब्राण्ड होण्डा में भारतीय उपभोक्ताओं के भरोसे एवं विश्वास की पुष्टि करता है। हमें इस उपलब्धि पर गर्व है और आने वाले समय में भी हम उपभोक्ताओं की उम्मीदों पर खरा उतरने और भारतीय दोपहिया उद्योग के विकास में सकारात्मक योगदान देने के लिए समर्पित हैं।''

भाजपा संकल्प पत्र के लिए मिले 70 हजार से अधिक सुझाव- त्रिवेंद्र

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उत्तराखंड की सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों से आम जनता ने लगभग 70 हजार से अधिक सुझाव भेजे हैं। गुरुवार को यहां संकल्प पत्र एकत्रीकरण कमेटी के प्रदेश संयोजक, पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार लोकसभा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत ने यह जानकारी दी। श्री रावत ने संवादाताओं को बताया कि पार्टी द्वारा संसदीय चुनाव के दौरान जनता के सम्मुख प्रस्तुत किए जाने वाले अपने घोषणा (संकल्प) पत्र के लिए देश भर में जनमत संग्रह और सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जनता से उन्हें 70 हजार से अधिक सुझाव मिले हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश की जागरूक जनता ने हमारी उम्मीदों से बढ़कर 70 हजार से अधिक सुझाव दिए हैं। ये सुझाव पार्टी को पत्र, व्यक्तिगत, ऑनलाइन कई माध्यमों से सुझाव संकलन टीम को प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि समाज के सभी वर्गों से सुझाव के रूप में हमें मोदी जी के लिए आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि वह सेवानिवृत्त कर्मचारी, मजदूर हों, चाहे रेहड़ी, ठेली लगाने वाले हमारे भाई हों। किसान, महिला, युवा, उद्यमी, वकील, डॉक्टर, खिलाड़ी, धर्म, रंगकर्मी या रचनाकार एवं अन्य वर्गों से जुड़े लोग हों। श्री रावत

ने बताया कि प्राप्त सुझाव में 60 फ़ीसदी राज्य एवं 40 फीसदी केंद्र से संबंधित है। उन्होंने बताया कि स्थानीय विषयों से संबंधित सुझाव राज्य सरकार को भेजे जा रहे हैं एवं केंद्र से जुड़े सुझावों को केंद्रीय नेतृत्व को आज भेजा जा रहा है। जिस पर विस्तृत चर्चा एवं विचार करने के बाद पार्टी देश के भविष्य को लेकर अपने विजन को सामने लेकर आएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शीघ्र विकसित भारत के रोड मैप तैयार करने वाला पार्टी का संकल्प पत्र हम सब के मध्य होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस तरह के विचार एवं सुझाव जनता द्वारा दिए गए हैं, वे विकसित भारत की गारंटी बनने वाले होंगे। हरिद्वार से भाजपा प्रत्याशी श्री रावत ने बताया कि अधिकांश सुझाव विकास एवं जनकल्याण की योजनाओं को लेकर है। सुझावों के साथ बड़ी संख्या में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जीत और उनके कामों के प्रति आशीर्वाद भी जनता ने इसमें दर्ज कराये हैं। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि राज्य की जागरूक जनता ने पर्यावरण पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। कृषि को बढ़ावा देने और कृषि भूमि में सुधार को लेकर सुझाव दिए। इसी तरह स्वास्थ्य सुविधाओं एवं योजनाओं को बेहतर बनाने, देश के विकास की चुनौती बने ज्वलंत मुद्दों, व्यवसायिक प्रक्रियाओं की सरलता, प्रोफेशनल वर्ग के सुझाव,पर्यटन एवम शिक्षा नीति में सुधार एवं महिलाओं विधवा, वृद्वावस्था, युवा, छात्रों से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए हैं। इस दौरान वहां उपस्थित प्रदेश चुनाव प्रबंध समिति संयोजक एवं राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने कहा कि पार्टी को उम्मीद थी कि प्रति विधानसभा 500 से 700 सुझाव हमें औसतन मिलेंगे, लेकिन हमें उम्मीद से कहीं अधिक औसतन 1000 से अधिक सुझाव प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह दिल खोलकर प्रधानमंत्री मोदी को आशीर्वाद के रूप में जनता ने अपने सुझाव हमें दिए हैं वह 400 पार और फिर एक बार मोदी सरकार की गारंटी बताता है।

अफस्पा पर गृह मंत्री का वादा लोकसभा चुनाव से जुड़ा है: उमर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम (अफस्पा) को हटाने का गृह मंत्री का वादा आगामी लोकसभा चुनावों से जुड़ा है। श्री अब्दुल्ला ने उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के सोपोर शहर में एक रैली के मौके पर संवाददाताओं से कहा, किसी गलतफहमी में मत रहिए। गृह मंत्री ने कभी नहीं कहा कि अफस्पा हटा दिया जाएगा, बल्कि उन्होंने कहा कि वह इस पर विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अफस्पा हटाना आगामी संसदीय चुनाव से जुड़ा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस उपाध्यक्ष ने कहा, दुर्भाग्य से, गृह मंत्री को अब अफस्पा पर गौर करने की याद आई है। हमें डर है कि जैसे उन्होंने छठी अनुसूची में शामिल करने पर लद्दाख के लोगों को धोखा दिया, जिसे हिल काउंसिल चुनावों से पहले करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन कभी नहीं किया गया, वही हश्र अफस्पा हटाने को लेकर जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ होगा।

श्री अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आगामी लोकसभा चुनाव में सभी पांच

सीटें हारने के बाद भाजपा फिर से अफस्पा हटाना भूल जायेगी। यह पूछे जाने पर कि संसद में नेशनल कांफ्रेंस की क्या भूमिका होगी, उन्होंने कहा, आइए हम चुनाव जीतें। हमने पहले भी लोगों का प्रतिनिधित्व किया है और भविष्य में भी ऐसा करना जारी रखेंगे। इंडिया समूह के बारे में पूछे जाने पर श्री अब्दुल्ला ने कहा,卐%हम इंडिया समूह से कभी अलग नहीं हुए। हम इंडिया समूह के साथ हैं और इसका हिस्सा बने रहेंगे।

मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने करें मतदान: सिंधिया

शिवपुरी,एजेंसी। केन्द्रीय मंत्री एवं मध्यप्रदेश के गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज कहा कि श्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए मतदान करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया है कि इसके लिए कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ पर 370 वोट बढ़ाने के लिए कार्य करें।

श्री सिंधिया ने यह बात शिवपुरी के पडोरा में रावत समाज के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अबकी बार 400 पार का नारा दिया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को हटाया। धारा 370 हटाने के लिए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने बलिदान दे दिया। अब हम लोगों को भी श्री मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाने के लिए कार्य करना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण की अनेकों योजनाएं चलाई जा रही हैं। किसान भाइयों के लिए सम्मान निधि, बहनों के लिए लाड़ली लक्ष्मी, लाड़ली बहना योजना, 80 करोड़ लोगों को नि:शुल्क अनाज देने के साथ आयुष्मान भारत से करोड़ों लोगों को नि:शुल्क इलाज की सुविधा प्रधानमंत्री श्री मोदी की सरकार में मिल रही है। प्रधानमंत्री 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। विकसित भारत के निर्माण के लिए आप सभी भाजपा को वोट दें। श्री सिंधिया ने कहा कि 500 वर्षों बाद अयोध्या में भगवान श्रीराम ने

होली मनाई। 25 मार्च को हम सबने होली मनाई है, लेकिन 4 जून को लोकसभा का परिणाम आएगा और भाजपा के ऐतिहासिक विजय पर एक बार हम सब मिलकर फिर होली मनाएंगे। उन्होंने कहा कि मैंने शिवपुरी और अशोक नगर के विकास के लिए लगातार कार्य किया है। अशोक नगर और शिवपुरी में सड़कों का जाल बिछाने के साथ लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए भाजपा सरकार लगातार कार्य कर रही है। आप लोगों ने जो कार्य करने के लिए कहा, मैंने उसे समय पर पूरा किया। जो कार्य आप लोगों ने नहीं कहा, लेकिन क्षेत्र के विकास के लिए जरूरी था, वह कार्य भी मैंने और भाजपा सरकार ने इस क्षेत्र में किए हैं। आगामी 7 मई को आप लोगों को संग्राम करना है। यह नए जमाने का युद्ध है, जिसमें तलवार नहीं ईवीएम का बटन दबाना है और विरोधियों को परास्त करना है।

भगवान श्रीराम का अपमान करने वालों को बुंदेलखंड में नहीं जमाने देंगे पैर: यादव

खजुराहो,एजेंसी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कांग्रेस पर भगवान श्रीराम का अपमान करने का आरोप लगाते हुए आज कहा कि प्राण प्रतिष्ठा का आमंत्रण ठुकरा कर भगवान श्रीराम का अपमान करने वाली कांग्रेस बुंदेलखंड़ में अपना पैर जमाने का प्रयास कर रही, लेकिन इस चुनाव में हमें उन्हे सबक सिखाना है।

डॉ यादव ने छतरपुर जिले की खजुराहो लोकसभा के चंदला में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए यह आरोप लगाया। जनसभा को प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने भी संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पांच सौ वर्षो के संघर्ष के बाद अयोध्या में भगवान श्रीराम का मंदिर तैयार हुआ और जब प्राण प्रतिष्ठा के लिए कांग्रेस को आमंत्रण दिया गया, तो कांग्रेस ने आमंत्रण ठुकरा कर भगवान श्रीराम का अपमान किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का अपमान करने वाली कांग्रेस अब बुंदेलखंड में अपना पैर जमाने का प्रयास कर रही है, जिसे ऐसा करने नहीं दिया जाएगा, जनता उन्हें लोकसभा चुनाव में सबक सिखाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड आल्हा-ऊदल का क्षेत्र रहा है, जिनकी तलवार की धाक दूर-दूर तक रही है। शताब्दियों से भारत की दुनिया में अलग पहचान रही है। लेकिन कुछ खराब समय आया और पहले बाहर से आए दुश्मनों और फिर कांग्रेस ने देश का नुकसान किया। लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समय है। मोदी सरकार आपकी अपनी सरकार है, भारतीय संस्कृति का परचम फहराने वाली सरकार है। देश का बच्चा-बच्चा मोदी मय है और देश के हर हिस्से, हर कोने से आवाज उठ रही है-'फिर एक बार, मोदी सरकार'। डॉ. यादव ने कहा कि देश में जब कांग्रेस सरकार बनी, तो अटलजी की सरकार की सारी योजनाओं, सारे विकास कार्यों को बंद

कर दिया। स्वर्णिम चतुर्भुज जैसी देश का कायाकल्प करने वाली योजना को भी बंद कर दिया। आतंकवादी देश में कहीं भी हमला और बम धमाके करते रहते थे। लेकिन 2014 में प्रधानमंत्री श्री मोदी की सरकार आई। इसके बाद तो ऐसा माहौल बना कि हमारी सरकार ने आतंकवादियों को उनके घर में घुसकर मारने का रिकॉर्ड बना दिया। उन्होंने कहा कि आपका क्षेत्र कला-संस्कृति, आचरण, विचार, वीरता और बहादुरी के साथ सर्वगुण संपन्न रहा है, लेकिन कमी रही तो बस इस बात की कि कांग्रेस की सरकारों की निगाह इस पर नहीं पड़ी। प्रधानमंत्री श्री मोदी की सरकार ने इस क्षेत्र को 45 हजार करोड़ की लागत वाली केन-बेतवा लिंक परियोजना दी है, जो स्व. अटलजी का सपना था। इस परियोजना के पूरे हो जाने पर आपके क्षेत्र में भरपूर पानी होगा। खजुराहो में प्रधानमंत्री ने जी-20 की बैठक कराई। जल्द ही आपके यहां आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज खुलने जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पायलट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज, एग्रीकल्चर और हार्टीकल्चर कॉलेज बनेंगे। आचार संहिता के बाद चंदला नगर परिषद को नगर पालिका बनाएंगे। इसके अलावा भी जो मांगें हैं, उन्हें पूरा करेंगे। फसलों को जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई की जाएगी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में हमें 12 दिन का समय चुनाव प्रचार करने मिला था। देवतुल्य कार्यकर्ताओं के अथक मेहनत का ही परिणाम है कि हमें खजुराहो लोकसभा में 4 लाख 93 हजार से अधिक मतों से विजय मिली। कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत से चंदला विधानसभा के सभी 255 बूथों पर पार्टी को जीत मिली और रिकार्ड 68 प्रतिशत मत प्राप्त हुए हैं। भाजपा बूथ स्तर पर कार्य करने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में हम सभी को परिश्रम की पराकाष्ठा करते हुए खजुराहो लोकसभा के सभी बूथों पर भाजपा को ऐतिहासिक विजय दिलाना है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हर बूथ पर 370 नए मतदाताओं को जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

स्व दुर्गा सोरेन के मौत संदेहास्पद,हो उच्चस्तरीय जांच: सीता सोरेन

रांची। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद शिबू सोरेन की बड़ी बहू ,जामा की पूर्व विधायक और झारखंड के दुमका संसदीय क्षेत्र की लोकसभा प्रत्याशी सीता सोरेन आज नई दिल्ली से रांची पहुंची। एयरपोर्ट पर रांची महानगर भाजपा अध्यक्ष वरुण साहू के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।रांची की धरती पर सीता सोरेन ने भगवान बिरसा मुंडा एवं स्व दुर्गा सोरेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की,नमन किया।सीता सोरेन का काफिला भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचा जहां उनका महिला मोर्चा की बहनों ने जोरदार स्वागत किया।

श्रीमती सोरेन ने प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी,नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित प्रदेश महामंत्री एवम सांसद आदित्य साहू,प्रदेश उपाध्यक्ष विधायक भानु प्रताप शाही सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और परिचय प्राप्त किया।प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी,प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने अंगवस्त्र एवम पुष्प गुच्छ से सीता सोरेन का स्वागत किया। प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए श्रीमती सोरेन ने झामुमो एवम राज्य सरकार पर बड़ा निशाना साधते हुए कहा कि झामुमो को अपने खून पसीने से सींचने वाले झामुमो के कद्दावर नेता उनके पति स्व दुर्गा सोरेन का अपमान उन्हे कतई बर्दाश्त नहीं।उन्होंने बड़ा निशाना साधते

हुए स्व दुर्गा सोरेन की मौत को संदेहास्पद बताते हुए उसकी उच्च स्तरीय जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि उन्होंने परिवार में कई बार इस बात को उठाया लेकिन इसे अनसुना कर दिया गया। मैंने ने परिवार में दर्द और पीड़ा सहते हुए अपनी बच्चियों का लालन पालन किया है। श्रीमती सोरेन ने कहा कि झामुमो अब स्व दुर्गा सोरेन के जमाने की पार्टी नहीं रही।यह पार्टी अब दलाल और बिचौलियों की पार्टी बनकर रह गई है।जहां जाइए जिलों में भी केवल दलाल और बिचौलिए ही पार्टी पर हावी हैं। उन्होंने कहा कि आज कल्पना सोरेन ने भी स्व दुर्गा सोरेन का अपमान किया है। अपनी राजनीतिक पारी की शुरुवात करते हुए उन्होंने राज्य के अन्य शहीदों का नाम लिया लेकिन स्व दुर्गा सोरेन जी को उन्होंने याद नहीं किया।उन्होंने कहा कि पार्टी की सरकार ने राज्य को केवल भ्रष्टाचार दिया है।भ्रष्टाचार से राज्य का सिर झुक गया है।राज्य का मान सम्मान गिरा है। उन्होंने कहा कि झामुमो में महिलाओं का सम्मान नही है। वे लगातार पार्टी और परिवार में अपमानित महसूस कर रही थी। इसलिए बड़ा राजनीतिक फैसला लिया।उन्होंने कहा कि आज भाजपा ही देश और प्रदेश का विकास कर सकती है। नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश और दुनिया में भारत का झंडा बुलंद हुआ है। देश का गौरव बढ़ा है। भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि गांव, गरीब, किसान दलित पिछड़े महिला सभी विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। श्री मती सोरेन ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में मोदी सरकार का संकल्प पूरा हो रहा। महिलाओं केलिए 33त्रआरक्षण की व्यवस्था हुई। देश के सर्वोच्च पद पर आज आदिवासी समाज की महिला आसीन हैं।उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा। लोकसभा चुनाव में झारखंड की 14सीट एवं देश में एनडीए 400 सीट का आंकड़ा पार करेगा। मंच पर प्रेसवार्ता के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने श्रीमती सोरेन का स्वागत करते हुए कहा कि झामुमो को राज्य की जनता नकारने केलिए तैयार है। आदिवासी मूलवासी के साथ झामुमो ने केवल छलावा किया है। प्रेसवार्ता में मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक एवम प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव भी उपस्थित थे।

देश में 2030 तक स्थापित किये जा सकते हैं 400 एलएनजी स्टेशन: एमके ग्लोबल

मुंबई। एम के ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में वर्ष 2030 तक परिवहन ईंधन के लिये 400 एलएनजी स्टेशन खुल सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे 50,000 ट्रकों की सेवाओं की जरूरत होगी और इससे 20-30 लाख टन वार्षिक की एलएनजी की आपूर्ति में सहायता मिलेगी।

गुरुवार को जारी इस रिपोर्ट में एम के ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज का मानना है कि मध्यम अवधि में एलएनजी की कीमतें भारत में एलएनजी खुदरा बाजार (भारी ट्रकिंग-वाहन क्षेत्र के लिये) के विस्तार के लिये अनुकूल हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में वर्तमान में लगभग 40 लाख ट्रक-भारी वाहन चल रहे हैं। एम के ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज का अनुमान है कि इनमें से 10 से 15 लाख ट्रक 25 टन भारवहन तक की क्षमता वाले वाणिज्यक वाहन होंगे। रिपोर्ट में बाजार अध्ययन के आधार पर कहा गया है कि कैलेंडर वर्ष 2030 तक भारी क्षमता के वाणिज्यिक वाहनों का 3-5 प्रतिशत संभावित रूप से एलएनजी आधारित

वाहन हो सकते हैं। एम के ग्लोबल फाइनेंशियल का कहना है कि इसका अर्थ है कि तब तक लगभग 50 हजार ट्रक एलएनजी पर आधारित हो सकते हैं जैसा कि नीति आयोग ने भी पूर्वानुमान लगाया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि प्रति भारी ट्रक 150 किग्रा/ दिन ईंधन (औसतन 450 किमी/दिन चलने पर) को मानते हुये 2030 तक साल में वाहन ईंधन के लिये 20-30 लाख टन एलएनजी की की मांग में तब्दील हो जाता है।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)